सुविचार
दुनिया में हर व्यक्ति अलग है। इसलिए जो जैसा है, उसे वैसा स्वीकार करना सीखें।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

08
जल्द आएगा सोनाक्षी की दहाड़ का सीक्वल

Ranchi ● Monday, 12 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 146 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	62,625.63
निफ्टी	:	18,563.40

SARAFA

सोना	:	5,745
चांदी	:	78.01

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड के सभी स्कूल 14 तक बंद

RANCHI : झारखंड के सभी स्कूल भीषण गर्मी के कारण 12 जून से बंद रहेंगे। अधिक गर्मी और लू को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसका आदेश शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने रविवार को जारी कर दिया। जारी आदेश में सचिव ने कहा है कि राज्य में अत्यधिक गर्मी पड़ने एवं लू को ध्यान में रखते हुए राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालय 12 जून से बंद रहेंगे। फिलहाल, स्कूल 14 जून तक के लिए बंद किए गये हैं। सचिव ने कहा है कि इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होने वाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से निर्णय लेते हुए सूचित किया जायेगा। यह आदेश 12 जून से 14 जून तक लागू रहेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जिलों का पारा 44 से 45 डिग्री के बीच रहने से लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसके मद्देनजर झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य उज्ज्वल तिवारी ने सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को पत्र लिख कर राज्य में संचालित सभी विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश की अवधि बढ़ाने की मांग की थी।

मुक्ति संस्था ने रिम्स में पड़े 33 अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

RANCHI : मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी तट पर 33 अज्ञात शवों का सामूहिक दाह संस्कार पूरे रीति रिवाज से किया। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने मुखाग्नि दी। उन्होंने बताया कि संस्था की ने अब तक 1567 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया। दाह संस्कार के लिए संस्था के सदस्य सुबह से ही शवों को पैक करने में लग गए फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिता सजाई गई। अंत में पूरे विधि-विधान से सामूहिक रूप से शवों का अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर रवि अग्रवाल, आदित्य राजगढ़िया, रतन अग्रवाल, आर के गांधी, दिनेश, संदीप पपनेजा, आशीष भाटिया, आशुतोष अग्रवाल, सौरभ बथवाल, बलवीर जैन, मोती सिंह, नरेश प्रसाद, नवीन बजाज, विकाश सिंघानिया, नीरज खेतान, सुमित अग्रवाल, विकास विजयवर्गीय, सीताराम कौशिक, राजा गोयनका और हरीश नागपाल मौजूद रहे।

चतरा में 1.5 किलो अफीम के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार

CHATRA : लावालोंग थाना पुलिस की स्पेशल टीम ने 1.5 किलो प्रतिबंधित अफीम की खेप के साथ पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। चतरा एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में गठित लावालोंग थाना पुलिस की स्पेशल टीम ने कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के कोलकोले कटहर टोला के मो. अब्बास अंसारी के घर छापेमारी कर 1.5 किलो प्रतिबंधित अफीम की खेप के साथ पति-पत्नी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार पति-पत्नी जब्त अफीम की खेप को तस्करी करने के नियत से अपने घर में छुपा कर रखे थे। इसी दौरान पुलिस ने उसे बरामद कर लिया।

दूसरे दिन JHARKHAND बंद का मिला जुला असर

देवेंद्र महतो सहित कई लिये गये हिरासत में, किए गए रिहा

PHOTON NEWS RANCHI

झारखंड सरकार की 60-40 वाली नियोजन नीति का विरोध कर रहे छात्र संगठनों ने दो दिवसीय झारखंड बंद के दूसरे दिन रविवार को जहां-तहां टायर जलाकर सड़क पर जाम लगा दिया। झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के नेता देवेंद्र महतो को दिन में हिरासत में ले लिया गया था। शाम को छह बजे के बाद सभी को रिहा कर दिया गया। इसके साथ दो दिवसीय झारखंड बंद का समापन हो गया। बंद का राज्यभर में मिलाजुला असर देखने को मिला।

रांची कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि छात्र संगठन के लोगों को पकड़ कर कोतवाली थाना ले जाया गया है। जिला स्कूल मैदान में बंदी को लेकर जमा हो रहे छात्रों को डिटेन कर थाना ले जाया गया। उन्होंने कहा कि पांच से 10 लोगों को डिटेन किया है, जिसमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो सहित कई बंद समर्थक शामिल है।

छात्र नेता देवेंद्र महतो के नेतृत्व में पांच परगना क्षेत्र राहे, सोनाहातु ,सिल्ली, तमाड़ बुंडू बाजार को बंद कराने के बाद झारखंड का लाइफ लाइन रोड एनएच -33 रांची जिला में स्थित टोल प्लाजा गेट बुंडू के पास तीन घंटा जाम रहा। सुबह 6:15 से ही जाम कर दिया गया था, जिससे उस मार्ग में आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। लंबी दूरी के सफर करने वाले लोग जाम में फंसे।

रांची से सटे इलाकों को बंद कराने के बाद झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन प्रमुख देवेंद्रनाथ महतो रांची के शहीद चौक स्थित जिला स्कूल मैदान पहुंचे। यहां बड़ी संख्या में छात्र मौजूद थे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने कहा कि हमारा दो दिवसीय झारखंड बंद सफल रहा है। यहां से सभी छात्र झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन प्रमुख देवेंद्रनाथ महतो की अगुवाई में मेन रोड बंद कराने निकले, जहां उन्हें हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल उन्हें कोतवाली थाना ले जाया गया है। इनके साथ सत्यनारायण शुक्ला, सुनील कुमार, खतियानी सुमित, कमलेश कुमार और रितिक रजक को हिरासत में लिया गया।

सिल्ली के इलाके में सुबह से ही समर्थक बंद कराया। रांची के खादगढ़ा से भी नहीं के बराबर बसें निकली । झारखंड का लाइफ लाइन कहे जाने वाले एनएच-33 को बुंडू स्थित टॉल प्लाजा के समीप जाम कर दिया गया। सिल्ली विधानसभा के पतराहातु में बंद समर्थकों ने सड़क को जाम रखा।

रांची के ग्रामीण इलाकों में सड़क पर उतरे बंद समर्थक

RANCHI : झारखंड सरकार की 60-40 नियोजन नीति के खिलाफ बुलाये गए झारखंड बंद के दूसरे दिन रविवार को सुबह से ही रांची के ग्रामीण इलाकों में बंद समर्थक सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के प्रमुख देवेंद्र नाथ महतो राहे, टाटीसिल्वे, बुंडू, सिल्ली में अपने समर्थकों के साथ दुकान और बाजार को बंद करा रहे। रांची जिला बुंडू स्थित टॉल प्लाजा के समीप एन एच 33 को बंद समर्थकों ने जाम कर दिया है।

वहीं दूसरी ओर ओरमांझी के पास रांची -पटना हाईवे को सुबह में जाम कर दिया था। लेकिन थाना प्रभारी ओरमांझी ने बताया कि सड़क कहीं जाम नहीं हुआ है। रांची में बंद के मद्देनजर सुबह से ही पुलिस हर चौक चौराहे पर तैनात हैं। रांची के शहरी इलाके में अब तक कहीं जीवन समर्थक सड़कों पर नहीं उतरे हैं। बंद के मद्देनजर सभी थाना प्रभारी अपने-अपने इलाके में पेट्रोलिंग करते नजर आ रहे हैं।

छात्रों की मुख्य मांगें

- झारखंड में बिहार की तर्ज पर नियोजन नीति लागू हो।
- बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 की उपधारा 85 के तहत झारखंड सरकार को भी यह अधिकार है कि वह संयुक्त बिहार के समय का कोई भी अध्यादेश, गजट का संकल्प को अंगीकृत कर सकती है। इसी अधिकार के तहत बिहार की 3 मार्च, 1982 वाली नियोजन नीति जिसका पत्रांक 5014/81-806 है, को अंगीकृत कर बिहार की तर्ज पर नियोजन नीति लागू करते हुए नियुक्तियां शुरू की जाएं।
- नियुक्ति फॉर्म भरते समय स्थानीय प्रमाण पत्र क्रमांक संख्या अनिवार्य रूप से भरने का प्रावधान किया जाए।
- जनसंख्या के अनुपात में सभी वर्गों को जिला स्तर में आरक्षण लागू किया जाए।
- झारखंड का एक स्पेशल पेपर का प्रावधान किया जाए, जिसमें झारखंड के रीति रिवाज, भाषा संस्कृति, परंपरा की अनिवार्यता हो।
- राज्य स्तर तथा जिला स्तर के सभी तकनीकी तथा गैर तकनीकी परीक्षा में क्षेत्रीय भाषा का पेपर अनिवार्य किया जाए।
- मूल झारखंडी छात्रों को पांच वर्ष का उम्र सीमा में विशेष छूट दी जाए।
- उत्तराखंड की तर्ज.पर परीक्षा नकल विरोधी कानून लागू किया जाए।

लोकसभा अध्यक्ष के काफिले में घुसी बेकाबू बस, तीन पुलिसकर्मी घायल

AGENCY JAIPUR

कोटा जिले के कैथून थाना क्षेत्र में मारवाड़ा चौकी रेलवे अंडरपास के पास रविवार दोपहर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के काफिले को एस्कॉर्ट कर रही पुलिस जवानों की गाड़ी को निजी बस चालक ने टक्कर मार दी। इससे एस्कॉर्ट गाड़ी में सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना की जानकारी लगते ही ओम बिरला ने काफिले में चल रही एम्बुलेंस से ही तीनों को कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि मांगरोल से कोटा जाने वाली मालवा निजी बस सवारी लेकर कोटा जा रही थी। जहां मारवाड़ा चौकी गांव के पास अचानक बस अनियंत्रित होकर मारवाड़ा चौकी रेलवे अंडरपास की दीवार से टकराते हुए इटावा दौरे पर जा रहे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के काफिले के पीछे चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी को साइड से टक्कर मार दी। इस हादसे में एस्कॉर्ट गाड़ी में सवार पुलिस कांस्टेबल नवीन, महेंद्र और हेड कांस्टेबल विजेंदर चोटिल गो गये। उन्हें कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल मीणा ने बताया कि अचानक हुए इस हादसे से बस में बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। 52 सीटर बस में 50 से अधिक सवारियां मौजूद थीं। गनीमत यह रही कि एस्कॉर्ट गाड़ी से टकराने के बाद बस थोड़ी दूर जाकर रुक गई। वहीं पुलिसकर्मियों की गाड़ी नहीं पलटी, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने बस चालक को डिटेन कर बस जब्त कर ली है। बस में सवार यात्रियों को अन्य साधनों से गंतव्य पहुंचाया गया।

बंद समर्थकों ने बोकारो में सड़क पर लगाया जाम

PHOTON NEWS BOKARO

झारख.ंड में 60-40 नियोजन नीति रद्द करने और खतियान आधारित स्थानीयता नीति लागू करने के मांग को लेकर झारखंड राज्य छात्र संगठन के झारखंड बन्द के समर्थन में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ने जिले के कई इलाकों में सड़क पर जाम लगाया। ग्रामीण इलाकों में इसका असर देखने को मिला।

पेटरवार में दुकान भी बंद रखी गई एवं बोकारो रांची मुख्य मार्ग पर कई घंटे तक जाम लगा दिया गया था। चंदनकियारी के बाईपास रोड हरदयाल शर्मा चौक और सुभाष चौक पर बंद समर्थकों ने जाम लगाया। इस दौरान वाहनों की लम्बी कतार लग गई। केवल मरीजों व इमरजेंसी लोगों के वाहन को जाने दिया गया। बंगाल से आ रही कई गाड़ियां जाम में फंस गईं। सीओ रामा रविदास और चंदनकियारी थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने समझा-बुझा कर जाम हटाने का प्रयास किया लेकिन लोगों ने जाम हटाने से इंकार कर दिया। कहा शाम पांच बजे जाम का हटा दिया जाऐगा।

इस मौके पर इकाई के संयोजक जगन्नाथ रजवार सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

दुमका में नियोजन नीति 60-40 के विरोध में दिखा झारखंड बंद का असर

PHOTON NEWS DUMKA

नियोजन नीति 60-40 के विरोध में दूसरे दिन रविवार को झारखंड बंद का असर दुमका में दिखा। आंदोलन को फल बनाने को लेकर आंदोलनकारी छात्र शनिवार पूरी रात खुले आसमान के नीचे आसियाना बना डटे रहे।

दूसरे दिन अहले सुबह होते ही छात्र आंदोलन के माध्यम से हेमंत सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने को लेकर नारे बाजी करते रहे। भीषण गर्मी भी छात्रों का हौसला पस्त नहीं कर पायी और चिल्लचिलाती धूप में भी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन को सफल बनाने में डटे दिखे। प्रशासन छात्रों को देर रात से ही समझाने के प्रयास में जुटी रही। लेकिन छात्र पूर्व निर्धारित कार्यक्रम 10 एवं 11 जून को संपूर्ण बंदी की समय सीमा तक सड़क से हटने को तैयार नहीं थे। बाद में प्रशासन को अपना कदम पीछे खिचना पड़ा और निर्धारित अवधी तक आंदोलन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात रहे।

छात्र टोली बना रविवार को दिन भर पारंपरिक ढोल-नगाड़ा, लाठी-डंडा से लैश होकर आंदोलन को सफल बनाने को लेकर शहर के विभिन्न चौक-चौराहे फूलो झानो चौक, दुधानी टावर चौक, अम्बेडकर चौक, मेन बाजार, बस स्टैंड आदि स्थानों पर घूम-घूमकर सहयोग का अपील करते रहे। हालांकि बंद शांतिपूर्ण रूप से सफल रहा। किसी प्रकार की बंद समर्थकों और प्रशासनिक अमला में तिखी बहस की सूचना नहीं आयी। बंद समाप्त शाम करीब चार बजे हुई।

वाराणसी में भव्य गंगा आरती देख विदेशी मेहमान हुए अभिभूत

AGENCY VARANASI

दुनिया भर के जी-20 ताकतवर देशों से बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी आये विदेशी मेहमान रविवार शाम मां गंगा के दशाश्वमेध घाट पर आयोजित विश्व विख्यात गंगा आरती देख अभिभूत हो गए।

इस दौरान देव दीपावली की तर्ज पर फूलों के वन्दनवार से दुल्हन की तरह सजे घाट पर विदेशी मेहमान मां गंगा को चंवर डुलाती रिद्धि-सिद्धि के रूप में कन्याओं को कभी देखते तो कभी घाट पर आध्यात्मिक छटा के नैसर्गिक सौंदर्य को निहारते रहे। शंख और डमरूओं की ध्वनि के बीच अद्भुत और विहंगम छटा, मां गंगा के भजनों पर ताल देते दिखे। गंगा सेवा निधि की विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में शंखनाद, घंटी, डमरू की आवाज और मां गंगा का जयकारा मेहमानों को रोमांचित कर रही थी।

मां गंगा की महाआरती भव्य स्वरूप में शुरू हुई। 09 अर्चकों ने मां गंगा की आरती उतारी, तो 27 रिद्धि-सिद्धि भी मौजूद रही व चंवर भी डोलाया। घाट को फूल मालाओं से व दीपकों से सजाया गया था। गंगा आरती की शुरूआत देवाधिदेव महादेव .ी प्रतिमा पर पुष्प वर्षा कर गणपति पूजन से हुआ।

इस दौरान 20 देशों के विकास मंत्रियों सहित 200 विदेशी मेहमान प्रतिनिधियों का नेतृत्व भारत के विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर कर रहे थे। यह दृश्य काशीवासियों सहित टेलीविजन पर लाइव प्रसारण देख रहे 140 करोड़ भारतीयों को गौरवान्वित व रोमांचित कर रहा था। आरती के दौरान विदेशी मेहमान ऐसे अभिभूत हुए कि वे भी सोफे पर बैठे-बैठे थाप दे रहे थे।

गौरतलब हो कि वाराणसी में सबसे पहले गंगा आरती की शुरूआत साल 1991 में वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर हुई थी। तब से ही लगातार शाम के समय सूर्यास्त के बाद आरती की जाती है। गंगा नदी के जल के साथ-साथ गंगा आरती की मान्यता धार्मिक तौर पर बहुत है। वैसे तो गंगा की कई जगह आरती होती है, लेकिन

चक्रवात बिपरजॉय PORBANDAR से 450 किलोमीटर दूर, 3 जिलों में रेड अलर्ट

चक्रवात बिपरजॉय के 15 जून तक गुजरात के समुद्र तट से टकराने की संभावना

AGENCY AHMADABAD

अरब सागर में चक्रवात बिपरजॉय को लेकर गुजरात के समुद्र तटीय जिलों को अलर्ट कर दिया गया है। राज्य के सभी बंदरगाहों पर मंगलवार-बुधवार से ही खतरे का सिग्नल जारी किया गया है। हाल में बिपरजॉय चक्रवात के दक्षिण पश्चिम पोरबंदर से 450 किलोमीटर की दूरी पर होने की जानकारी है। इसके अलावा द्वारका से 490 और नलिया से 570 किलोमीटर दूर है। अब धीरे-धीरे यह तट की ओर समीप आ रहा है। 15 जून तक इसे समुद्र तट पर टकराने का अनुमान है।

बिपरजॉय चक्रवात धीरे-धीरे प्रचंड रूप लेने लगा है। मौसम विभाग ने 15 और 16 जून को कच्छ, जामनगर और देवभूमि द्वारका के लिए बारिश के संबंध में रेड अलर्ट जारी किया है। पोरबंदर, जामनगर, कच्छ का कांडला और मांडवी बंदरगाह पर 4 नंबर का सिग्नल जारी किया गया है। इधर, चक्रवात के खतरे को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मीटिंग कर राज्य के मंत्रियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है।

अमरेली जिले के जफराबाद समुद्र तट पर चक्रवाती तूफान का व्यापक असर देखा गया। अरब सागर में प्रचंड रूप धारण कर बिपरजॉय चक्रवात पश्चिम की ओर आगे बढ़ रहा है। हाल सौराष्ट्र के कई क्षेत्रों मे तेज हवा बहने का दौर शुरू हो चुका है। इसके कारण समुद्र तटों पर लहरे 10 से 15 फीट तक उछाल मार रही हैं। मौसम विभाग ने आगामी 15 और 16 जून को हवा की गति और बारिश को देखते हुए 3 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। इन तीन जिलों में 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा बहने का अनुमान लगाया गया है। साथ भी भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है।

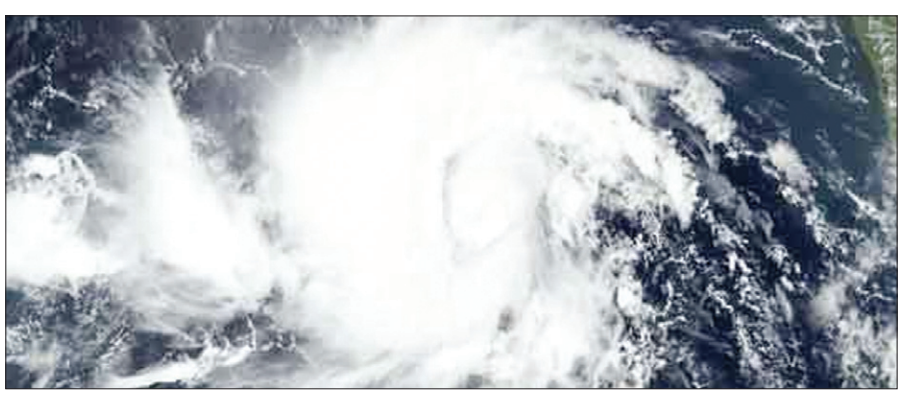

लालू हुए 76 साल के, पटना में केक काट मनाया जन्मदिन

PHOTON NEWS BIHAR :

आरजेडी सुप्रिमो लालू प्रसाद यादव का आज 76 वां जन्म दिन है. लालू सादव ने देर रात राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर केक काटकर जन्मदिन मनाया. लालू यादव के साथ पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, रोहिणी आचार्या, तेजस्वी यादव आदि मौजूद थे. बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने देर रात फोन पर वीडियो कॉल कर लालू यादव को जन्म दिन की शुभकामनाएं दी. तेजप्रताप ने कहा कि आपने कहा था बरसाना में केक काटने के लिए, इसलिए हम लोग बरसाना में आपका जन्म दिन मनायेंगे. इस संबंध तेजपताप ने ट्वीट करते हुए कहा कि आज अपने पिता जी के 76वे जन्मदिन के अवसर पर उनको विडियो कॉल के माध्यम से जन्मदिन की शुभकामना दी, साथ ही उनका आशीर्वाद लिया और बरसाना श्री राधा रानी मंदिर में केक काटा जायेगा और ब्रज के संत श्री रमेश बाबा से आशीर्वाद लूंगा एवम पिता जी के दीघार्यु होने की कामना करूंगा. बता दें तेजप्रताप कृष्ण के बड़े उपासक हैं और इन दिनों बरसाना में हैं. डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने ट्वीट किया है. उन्होंने लिखा- सामाजिक न्याय के महानायक लालू। 'देश-विदेश में बिहार का नाम रोशन करने वाले मजबूत शख्सियत और दृढ़ व्यक्तित्व के धनी, सामाजिक न्याय के प्रणेता आदरणीय लालू प्रसाद जी को अवतरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं. वहीं बेटी रोहिनी आचार्या ने ट्वीट कर जन्म दिन की बधाई दी.

उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि पूरा देश दे रहा है आपको जन्मदिन की बधाई, आम लोगों के अधिकार के लिए लड़ी है जिन्होंने लड़ी है लड़ाई Happy Birthday Papa आपको हमारी उम्र लग जाये राज्य भर में लालू के जन्म दिन पर राजद कार्यताओं की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें जन्मदिन की बधाइ देने का सिलसिला जारी है.

विपक्षी एकता की बैठक में 18 पार्टियां होंगी शामिल : LALAN SINGH

बोले- चुनाव बाद होगा प्रधानमंत्री का चयन, नीतीश नहीं बनेंगे PM

PHOTON NEWS BIHAR :

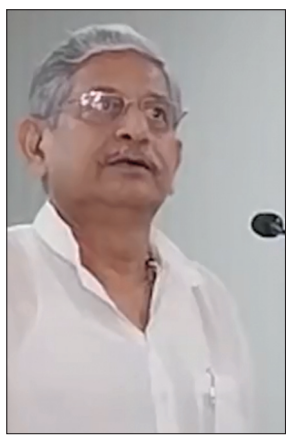

पटना में 23 जून को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में 18 पार्टियां शामिल होंगी। रविवार को इसकी जानकारी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि चुनाव बाद ही प्रधानमंत्री का चयन होगा। नीतीश कुमार पीएम नहीं बनेंगे। पटना जदयू कार्यालय में ललन सिंह ने ये बातें कही। उन्होंने पीएमसीएच के पूर्व अधीक्षक विमल कारक को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

ललन सिंह ने यह भी कहा कि विपक्षी एकता की तरफ से प्रधानमंत्री कौन होगा? यह अभी नहीं बताया जाएगा। जब चुनाव हो जाएगा और विपक्षी एकता की जीत हो जाएगी। इसके बाद प्रधानमंत्री की घोषणा की जाएगी। साथ ही उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि अभी देश में इमरजेंसी की स्थिति है। 1974 वाला इमरजेंसी तो घोषित वाली इमरजेंसी थी। आज अघोषित इमरजेंसी है।

देश में आपातकाल लागू है। लेकिन, कहा नहीं जा रहा है। किसी को बोलने की स्वतंत्रता नहीं है। जब लोकतंत्र में बोलने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाए तो स्थिति बदलनी चाहिए। आज लोकतंत्र बहुत खतरनाक स्थिति में है। पुराने सारे इतिहास को भाजपा बदल रही है। अपने नाम से इतिहास कराने का प्रयास किया जा रहा है। महात्मा गांधी को भूल रहे हैं। आप भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों को भूल रहे हैं, जननायक कपूर्री ठाकुर के संघर्षों को भूल रहे हैं। ललन सिंह ने यह भी कहा कि बीजेपी आरक्षण विरोधी हैं। 1977 में कपूर्री ठाकुर ने आरक्षण लागू किया था तो भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने उस सरकार को गिरा दिया था। जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं हैं। सभी संवैधानिक संस्थाओं पर अपना नियंत्रण भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कर रखा है। मीडिया की स्वतंत्रता समाप्त हो गई है।

राहुल गांधी की सदस्यता जाती है तो 5 दिन तक डिबेट चलता है। यह लोग धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं। ललन सिंह ने टीवी एंकर का नकल करते हुए कहा कि आप देख रहे हैं भगवान का अपमान हुआ है। धर्म का अपमान हुआ है। दिन भर चिल्ला चिल्ला कर धार्मिक उन्माद फैलाते हैं।

देश के नहीं गुजरात के पीएम हैं मोदी : जदयू नेता ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं हैं। वह सिर्फ गुजरात के प्रधानमंत्री हैं। निजीकरण की तरफ देश जा रहा है। देश की समस्याओं पर नहीं बोलेंगे, यह धर्म के नाम पर समाज में उन्माद फैलाकर पैदा कर रहे हैं। उनके नाम पर धार्मिक भावना फैलाकर वोट लेने की साजिश कर हैं। जनता सब देखती है और समय पर जवाब देती है। कर्नाटक में भी इनको जवाब दे दी थी और आने वाले समय में भी करारा जवाब मिलेगा। पहले भी विपक्षी पार्टियों के नेताओं से मिल चुके हैं नीतीश कुमार। पहले भी विपक्षी पार्टियों के नेताओं से मिल चुके हैं नीतीश कुमार।

महबूबा मुफ्ती और फारुख अब्दुल्ला भी आएंगे : 23 जून को 18 विपक्षी पार्टी के लोग पटना आ रहे हैं। महबूबा मुफ्ती, फारुख अब्दुल्ला विपक्षी एकता की बैठक पटना में शामिल होंगे।

जुलाई में हो सकती है डुमरी उपचुनाव की घोषणा, 6 अक्टूबर के पहले होना है चुनाव

PHOTON NEWS RANCHI :

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो की मृत्यु से खाली हुई डुमरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारी पूरी कर ली गयी है. चुनाव कराने के लिए वीवी पैड, वोटिंग यूनिट, स्याही जैसी आवश्यक चीजों का इंतजाम कर लिया गया है. वीवी पैड और वोटिंग यूनिट की चेकिंग चल रही है. झारखंड के चुनाव पदाधिकारी गिरिडीह और बोकारो के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग कर तैयारियों की समीक्षा भी कर चुके हैं. उन्होंने अपनी रिपोर्ट भारत के चुनाव आयोग को भेज दी है. जुलाई महीने में डुमरी उपचुनाव की घोषणा होने की संभावना जतायी जा रही है.

डुमरी उपचुनाव छह अक्टूबर 2023 के पूर्व कराना संवैधानिक वैद्यता है. संविधान के मुताबिक कोई भी विधानसभा सीट छह महीनों से अधिक समय तक रिक्त नहीं रखी जानी है. शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो की मृत्यु के बाद छह अप्रैल से डुमरी विधानसभा सीट खाली है. आम तौर पर चुनाव की घोषणा कम से कम मतदान के 45 दिनों पूर्व की जाती है. उधर, आयोग द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में एक साथ उपचुनाव का कार्यक्रम तय किया जाता है. अन्य राज्यों की रिक्त पड़ी सीटों के मुताबिक भी डुमरी उपचुनाव की तिथि तय की जा सकती है. इस कारण राज्य चुनाव पदाधिकारी कार्यालय चुनाव की तैयारी पूरी कर आयोग की घोषणा का इंतजार कर रहा है. डुमरी उपचुनाव के लिए वीवी पैड और वोटिंग यूनिट गिरिडीह और बोकारो जिला मुख्यालय में पहुंचा दी गयी है. बूथों के गठन की कार्यवाही पहले ही पूरी कर ली गयी है. 1500 वीवी पैड और एक हजार वोटिंग यूनिट की सहायता से चुनाव कराया जायेगा. राज्य चुनाव पदाधिकारी कार्यालय ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भी वीवी पैड व वोटिंग यूनिट जिला मुख्यालयों में पहुंचा दिया है. चुनाव कराने के लिए स्याही समेत बाहर से आने वाली सभी चीजों का इंतजाम कर लिया गया है.

जाति प्रमाण पत्र बनाने में हो रही दिक्कतों को लेकर

रजक व मुखी समाज के लोगों ने मंत्री बन्ना गुप्ता के आवास का किया घेराव

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:

राज्य में जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र को लेकर हो रहे परेशानियों को लेकर रविवार को रजक एवं मुखी समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के आवास का घेराव किया इस दौरान उन्हें जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनाने में हो रही समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही समाज के लोगों ने अविलंब इस परेशानी से निजात दिलाने की मांग की। वहीं मंत्री बन्ना गुप्ता ने समाज के लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री गंभीर हैं। जल्द इस दिशा में सार्थक पहल की जाएगी। उन्होंने बताया कि समस्या विकट जरूर है मगर निदान को लेकर मुख्यमंत्री लगातार प्रयासरत हैं। जल्द इसका समाधान निकलेगा। समाज के लोगों ने कहा कि प्रमाण पत्र बनवाने में कइ प्रकार की समस्या आ रही है जिससे वे लोग परेशान है खासर युवओं को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। बन्ना गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार गरीब व वंचितों के लिए लगातार काम कर रही है। ऐसे में इस समस्या का समाधान किया जाएगा।

सांसद ने विरोधियों पर साधा निशाना

कहा 23 जून को पटना में विपक्षी एकता की बैठक नहीं, विधवा विलाप होगा

PHOTON NEWS BIHAR :

बिहार की राजधानी पटना में 23 जून को केंद्र सरकार की खिलाफत करने वाले विपक्षीय दलों की बैठक होने जा रही है. इस बैठक में देश के तमाम विपक्षी पार्टियो के राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल होंगे. सचिवीय व्यवस्था वाले वामपंथी दलों के राष्ट्रीय महासचिव बैठक में हिस्सा लेंगे. बैठक के आयोजन की अगुआनी प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे है, जिसमें राज्य सुप्रीमो लालू प्रसाद के पुत्र उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव उन्हें सहयोग कर रहे हैं. इस बैठक पर पक्ष- विपक्ष सबकी नजर है. वही नीतीश कुमार विपक्षी एकता बनाने की हर मुमकिन कोशिश में लगे हुए हैं. औरंगाबाद के बीजेपी सांसद सुशील सिंह ने विपक्ष पर तंज कंसते हुए कहा कि बिहार के महागठबंधन समेत देश के समूचे विपक्ष ने विधवा विलाप करने के लिए बड़ा अच्छा दिन चुना है. 23 जून को अंर्तराष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया जाता है. इस दिन ये लोग बैठक विधवाओं पर चर्चा करने के लिए नही कर रहे है, बल्कि बैठक में विपक्षी एकता के नाम पर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोसेंगे. यह उस दिन उनका विधवा विलाप ही होगा. इनके पास और कोई एजेंडा तो है नहीं. उन्होंने यह भी कहा कि जिसके पास 40 एमपी नहीं वह प्रधानमन्त्री बनने का सपना देख रहा है.

कांग्रेस पर साधा निशाना : विपक्षी दलों में एक पार्टी ऐसी है जिसका सिद्धांत ही अधिनायकवाद का है. जिसने अंतिम समय में 12 तारीख को बैठक को निरस्त करा दिया. नीतीश कुमार ने कहा कि सभी दलों से बात हो गई है, सभी आने को तैयार हैं और जब बैठक की तिथि नजदीक आती है तब कांग्रेस पार्टी यह कहती है कि बैठक में न तो हमारे अध्यक्ष आयेंगे और न ही राहुल गांधी आयेंगे, न नेहरु परिवार से कोई और प्रतिनिधि आएगा तो बाकी दलों के पार्टी ने कहा कि जब कांग्रेस ही नहीं आएगी तो बैठक होगी किस काम की.

इस तरह कांग्रेस पार्टी अपना वर्चस्व रखते हुए अपना अधिनायकवाद चलाना चाहती है, तो फिर कैसी एकता, कैसा मिलन, कैसा गठबंधन. यह केवल जनता को मूर्ख बनाने का प्रयास है.

विधायक सुखराम उरांव ने दांती में ग्रामीणों के साथ की बैठक, स्थानीय लोगों ने की सड़क निर्माण की मांग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:

ग्रामीणों से वार्ता करते सुखराम उरांव • फोटोन न्यूज

विधानसभा क्षेत्र के दांती में सड़क की समास्या को लेकर ग्रामीणों ने रविवार को एक बैठक का आयोजन किया. बैठक में झामुमो जिला अध्यक्ष सह चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव, जिला उपाध्यक्ष राहुल आदित्य, विधायक प्रतिनिधि पीरु हेम्ब्रम आदि लोग शामिल हुए. बैठक में ग्रामीणों ने गांव की समास्याओं पर विचार करते हुए प्रथामिकता के आधार पर सड़क नहीं होने के कारण चक्रधरपुर आवागमन में हो रही कठिनाइयों को देखते हुए विधायक सुखराम उरांव के समक्ष दांती- चक्रधरपुर के सड़क निर्माण की मांग रखी. ग्रामीणों की मांग पर विधायक सुखराम उरांव ने वर्तमान में हो रही असुविधा से राहत पहुंचाने के लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर आवागमन को सुदृढ़ करने का एलान किया. साथ ही उक्त सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से मिलकर स्थायी समाधान निकालने की बात भी कही. साथ ही गांव में अन्य समस्याओं पर भी विचार विमर्श करते हुए उन्होंने कहा कि एक- एक कर सभी समस्या का समाधान किया जाएगा. इस अवसर पर काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

घोषणा : न सिर्फ विवेकानंद सरोवर, बल्कि सभी जलाशयों का अस्तित्व बचाना बेहद जरूरी

रांची में झील बचाओ सत्याग्रह के समर्थन में उतरे विधायक सीपी सिंह

PHOTON NEWS RANCHI :

हस्ताक्षर अभियान के दौरान हस्ताक्षर करते पर्यू मंत्री व भाजपा विधायक सीपी सिंह • फोटोन न्यूज

रांची झील (विवेकानंद सरोवर) को प्रदूषण मुक्त करने के लिए स्थानीय लोग पिछले 45 दिनों से अलग-अलग तरीके से लगातार सत्याग्रह कर रहे हैं। विवेकानंद सरोवर को बचाने के लिए रविवार को हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसमें जिसमें पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक सीपी सिंह भी शामिल हुए।

रांची झील बचाओ अभियान के बैनर तले सत्याग्रह करने वाले लोगों की एक ही मांग है कि राजधानी के अलग अलग इलाकों से नालियों के माध्यम से सरोवर में गिरने वाले कचड़े को रोका जाए। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से पहले नाले के पानी की सफाई हो, उसके बाद उस पानी को तालाब में गिराया जाए। सीपी सिंह ने कहा कि जब वह शहरी विकास मंत्री थे, तब तालाब के सौंदर्यीकरण की पहल की गई थी। उस समय तालाब में गंदा पानी नहीं गिरे, इसके लिए एसटीपी यानी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की बात थी लेकिन काफी धीमी गति से एसटीपी का निर्माण कार्य चल रहा है। सीपी सिंह ने कहा कि जल्द ही वह जिला प्रशासन और नगर विकास के अधिकारियों से बात करेंगे । उन्होंने कहा कि न सिर्फ विवेकानंद सरोवर, बल्कि सभी जलाशयों का अस्तित्व बचाना बेहद जरूरी है।

झील बचाने के लिए चलाए गए हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और झील बचाने के अभियान का समर्थन किया। रांची झील बचाओ अभियान के संयोजक राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि आज उनके सत्याग्रह का 45 वां दिन है। बावजूद इसके जो तत्परता रांची नगर निगम, जिला प्रशासन और सरकार को दिखाना चाहिए था वह नहीं दिखा है। विधायक ने आश्वास दिया कि इस मुद्दे पर वह वरीय अधिकारियों से बात करेंगे।

भविष्य में एक तमिल को भी बनाया जा सकता है देश का पीएम : शाह

तमिलनाडु में बैठक के दौरान अमित शाह ने दिए संकेत

AGENCY CHENNAI :

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भविष्य में एक तमिल को प्रधानमंत्री बनाए जाने की पैरवी की है। वो आज तमिलनाडु के दौरे पर थे, जहां उन्होंने पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक में यह बात कही है। पार्टी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक एक बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान अमित शाह ने एक तमिल को भविष्य में पीएम बनाए जाने की बात कही है।

शाह ने डीएमके को ठहराया दोषी : सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक अमित शाह ने किसी का नाम लिए बिना निकट भविष्य में एक तमिल को प्रधानमंत्री बनाए जाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार शाह ने कहा कि ऐसा अवसर पूर्व में दो बार गंवाया जा चुका है। सूत्रों ने कहा कि शाह ने कथित तौर पर इसके लिए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को दोषी ठहराया।

बूथ समितियों को मजबूत करने का आह्वान : बैठक के दौरान अमित शाह ने भाजपा पदाधिकारियों से 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कमर कसने को कहा है। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि तमिलनाडु से 20 से अधिक सीटें जीतने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। उन्होंने इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ही बूथ समितियों को मजबूत करने का भी आह्वान किया।

BRIEF NEWS

फिल्म 'नासूर' का पोस्टर जारी, 23 को होगी रिलीज

RANCHI : बरियातू स्थित यूके डांस एकेडमी में रविवार को नागपुरी फीचर फिल्म नासूर का पोस्टर रिलीज किया गया। फिल्म के निर्देशक राजीव सिन्हा ने बताया की इस फि ल्म का टीजर कुछ दिन पहले रिलीज किया जा चुका है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म नासूर 23 जून को जेडी हाई स्ट्रीट मॉल में स्थित कार्निवल सिनेमा में रिलीज होगी। फिल्म सस्पेंस मर्डर थ्रिलर फिल्म है, जो पब्लिक को एक सोशल मैसेज देने के साथ साथ एंटरटेन भी करती है। इस फिल्म में झारखंड के अलावा छत्तीसगढ़, बंगाल आदि के कलाकारों ने अभिनय किया है। इस फिल्म के कलाकार, झारखंड के विवेक नायक, शिवानी गुप्ता, मनोज वर्मा, आरपी मिश्रा, रीना सहाय, बंगाल की चित्रा मुखर्जी, छत्तीसगढ़ के विनय अंबास्था आदि है। फिल्म के पोस्टर रिलीजिंग में फिल्म के कलाकारों के साथ साथ डायरेक्टर राजीव सिन्हा, कोरियोग्राफर उमेश सिंह, कैमरा मैन पंकज गोस्वामी, साउंड डिजाइनर मनोज प्रेमी, म्यूजिक डायरेक्टर श्रीकांत इंदरवार, उपेंद्र पाठक, एडिटर प्रह्लाद, इकबाल, प्रशांत महतो, ओम प्रकाश, प्रकाश पाठक, सिंगर ज्योति साहू, सुमन झा, मृदुला, वर्षा नायक, दया शंकर, राजू रंजन, दीपक चौधरी, शंकर पाठक, सनी लक्की, रॉय इत्यादि मौजूद रहे। अभी सोशल मीडिया में रीलस का काफी चलन है , ये देखते हुए। पोस्टर के साथ साथ फिल्म का एक गाने का रील्स भी रिलीज किया गया।

रांची: बाल संरक्षण आयोग की टीम ने कई बार का किया औचक निरीक्षण

RANCHI : नशा विरोधी अभियान को लेकर झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग ने औचक निरीक्षण किया. संरक्षण आयोग के सदस्य उज्जवल प्रकाश तिवारी के नेतृत्व रविवार को रांची के बार में निरीक्षण किया गया. उज्जवल प्रकाश तिवारी ने कहा की पूर्व में उत्पाद कमिश्नर ज्ञापन के द्वारा यह बताया गया था कि कम उम्र के बच्चों को दारू पिलाना अवैध है, हमें सूचना मिली थी कि बार में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। उत्पाद कमिश्नर ने उपायुक्त को पत्र के द्वारा यह निर्देश दिया था कि 21 के नीचे वालों को बार इवेंट में नशे का पदार्थ नहीं देना है. नशा विरोधी अभियान के तहत आज औचक निरीक्षण किया गया. जिसमें बार ओनर को नियमावली भी बताया गया और यह बोला गया कि यह सूचना मिल रही है कि बच्चों को नशे का पदार्थ परोसा जा रहा है, और कम उम्र के बच्चों को दारू पिलाया जा रहा है. इस क्रम में टीम ने लालपुर इलाके में कई बार का औचक निरीक्षण किया।

ईसाई आदिवासियों ने प्रायोजित की है राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा: लक्ष्मी नारायण मुंडा

RANCHI : राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा ईसाई आदिवासियों द्वारा प्रायोजित है. यह बात आदिवासी सामाजिक नेता लक्ष्मी नारायण मुंडा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही. उन्होंने कहा कि सरना आदिवासियों के ऊपर सरना प्रार्थना स्थापित की जा सके और ईसाई और सरना के बुनियादी अंतर्विरोध को छिपाया जा सके. आगे कहा कि जब से सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहा गया है कि जो आदिवासी अपनी परंपरा, संस्कृति, रीति रिवाज, रुढ़ीवादी प्रथा को मानता है, वही आदिवासी हो सकता है. इसलिए षड्यंत्र के तहत सरना प्रार्थना सभा को पूरे आदिवासी सरना समुदाय में स्थापित कर सरना और ईसाई के अंतर को छिपाने के लिए लगातार कोशिश की जा रही है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

RANCHI : वाहन चोर गिरोह का खुलासा, आठ बाइक, एक स्कूटी और एक ऑटो के साथ आठ धराए

PHOTON REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया है। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में कार्रवाई की गई. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए हिंदपीढ़ी, कोतवाली, सुखदेव नगर और रातू थाना क्षेत्र से आठ वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुए चोरों में सुमित मिर्धा, मो. गुड्डू, मो. वारिस, अनिल शर्मा, सन्नी महली, वीर सिंह, सुनील कुमार महतो और विनय कुमार महतो शामिल हैं। गिरफ्तार हुए चोरों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के 10 वाहनों को बरामद किया है। बरामद किए गए वाहनों में आठ बाइक, एक स्कूटी और एक ऑटो शामिल हैं।

गिरफ्तार हुए चोरों में सुमित मिर्धा और मोहम्मद गुड्डू का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। सुमित मिर्धा के खिलाफ रांची के कोतवाली, सदर, बरियातू और लालपुर थाने में कुल 7 मामले दर्ज हैं। वहीं मोहम्मद गुड्डू के खिलाफ रांची के हिंदपीढ़ी, डोरंडा और कोतवाली थाने में छह मामले दर्ज हैं।

रांची में पीएलएफआई का एरिया कमांडर गिरफ्तार

PHOTON REPORTER RANCHI : चान्हो थाना पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर आलोक यादव उर्फ चंद्रशेखर यादव को गिरफ्तार किया है। इसके पास से छह पीस पीएलएफआई का पर्चा , दो मोबाइल और एक बाइक बरामद किया है।

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गत 14 अप्रैल को संजय कुमार गुप्ता ने थाने में शिकायत की थी कि पीएलएफआई के एरिया कमांडर के नाम पर फोन कर पचास हजार की रंगदारी मांगी जा रही है। पैसे नहीं देने पर जान से मारने और ईट भट्ठा को उड़ाने की धमकी दी गई है। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए चान्हो थाना प्रभारी रंजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। एसपी ने बताया कि टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी शाखा के सहयोग से रातू थाना क्षेत्र के मुरगु से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी पर 21 मामले पूर्व से दर्ज है।

266 वाहन मालिकों पर डीटीओ ऑफिस करेगा कार्रवाई, जमा नहीं करते टैक्स

PHOTON REPORTER RANCHI : .कम रोड टैक्स का भुगतान करने वाले 266 वाहन मालिकों को परिवहन विभाग ने चिन्हित किया है. इसे लेकर रांची डीटीओ ने कहा, रांची डीटीओ ऑफिस से जानकारी मिली है कि निर्बंधित वाहन मालिकों ने रोड टैक्स की कम राशि जमा की है. इसके अलावा कई वाहन मालिकों की ओर से अंतर राशि का भुगतान नहीं किया गया है. वैसे वाहन मालिकों की संख्या 266 है. ऐसे वाहन मालिकों को हिदायत दी जाती है कि बकाया राशि का भुगतान सात दिनों के अंदर करें, नहीं तो मोटरवाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी.

-3 साल से बकाया है टैक्स

रांची डीटीओ ने कहा कि कुछ लोग दो तो कुछ तीन साल से रोड टैक्स दबाकर बैठे हैं. बार-बार भुगतान के लिए कहने के बावजूद वाहन मालिक इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं. वहीं टैक्स की राशि जमा नहीं होने से डिपार्टमेंट को भारी रेवेन्यू लॉस हो रहा है. इस वजह से अब विभाग की ओर से कड़ी कार्रवाई का निर्णय लिया गया है. जिन डिफॉल्टर्स को नोटिस भेजा जा रहा है, उनमें कई ऐसे भी हैं जिनके पास पांच या उससे अधिक वाहन हैं. लेकिन उन्होंने किसी भी वाहन का रोड टैक्स जमा नहीं किया है. जबकि कई वाहनों के तो साल 2019 से ही रोड टैक्स बकाया हैं. 2019 अलावा साल 2020 व 2021 से अब तक टैक्स जमा नहीं करने वाले भी शामिल हैं।

हाई कोर्ट के नए भवन में जजों के लिए कोर्ट रूम आवंटित

PHOTON REPORTER RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट के नए भवन में जजों के लिए कोर्ट रूम का आवंटन कर दिया गया है। हाईकोर्ट के नए भवन में 25 कोर्ट रूम बनाए गए हैं। फिलहाल हाईकोर्ट में जजों की संख्या 20 है। इसलिए पांच कोर्ट रूम का आवंटन नहीं हुआ है। कोर्ट नंबर 1- चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्र, कोर्ट नंबर 2- जस्टिस एस चंद्रशेखर, कोर्ट नंबर 3- जस्टिस एस एन प्रसाद, कोर्ट नंबर 4- जस्टिस रंगोंन मुखोपाध्याय, कोर्ट नंबर 5- जस्टिस रत्नाकर भेंगरा, कोर्ट नंबर 6- जस्टिस आनन्दा सेन, कोर्ट नंबर 7- जस्टिस डॉ एस एन पाठक, कोर्ट नंबर 8- जस्टिस राजेश शंकर, कोर्ट नंबर 9- जस्टिस एके चौधरी, कोर्ट नंबर 10- जस्टिस राजेश कुमार, कोर्ट नंबर 11- जस्टिस अनुभा रावत चौधरी, कोर्ट नंबर 12- जस्टिस के पी देव, कोर्ट नंबर 13- जस्टिस एस के द्विवेदी, कोर्ट नंबर 14- जस्टिस दीपक रौशन, कोर्ट नंबर 15- जस्टिस सुभाष चांद, कोर्ट नंबर 16- जस्टिस गौतम कुमार चौधरी, कोर्ट नंबर 17- जस्टिस अम्बुज नाथ, कोर्ट नंबर 18- जस्टिस नवनीत कुमार, कोर्ट नंबर 19- जस्टिस संजय प्रसाद और कोर्ट नंबर 20- जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव।

हाई कोर्ट के नए इको फ्रेंडली न्यू बिल्डिंग में आज से होगी सुनवाई

PHOTON REPORTER RANCHI : झारखंड हाइकोर्ट के धुर्वा स्थित इको फ्रेंडली न्यू बिल्डिंग में सोमवार सुबह 10:30 बजे से विभिन्न अदालतों में मामलों की सुनवाई शुरू होगी। इससे पहले सुबह नौ बजे कैंपस में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाये जायेंगे।

दोपहर 1:30 बजे कोर्ट नंबर-एक के समीप सेंट्रल लॉबी में वरीय अधिवक्ताओं के सम्मान में समारोह आयोजित होगा। हाई कोर्ट प्रशासन ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। पुराने भवन से शिफ्टिंग का कार्य भी लगभग पूरा होनेवाला है। नये हाई कोर्ट परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

एक्वा वर्ल्ड में हॉरर नाइट : बच्चों ने वैंपायर और चुड़ैलों के साथ किया रैंप वॉक

PHOTON REPORTER RANCHI : रांची के एक्वा वर्ल्ड, (मछलीघर) द्वारा आयोजित किए जा रहे समर हॉलिडे कार्यक्रमों के सुपर संडे शृंखला में रविवार को ह्वहॉरर नाइटह्व का आयोजन किया गया. मॉडलों ने वैंपायर, प्रेत, चुड़ैल, भूत के वेश में बच्चों के साथ रैंप पर कैटवॉक किया. पूरे परिसर को हॉरर थीम पर सजाया गया था. एक हॉरर सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था।

बच्चों की भीड़ सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाने के लिए जुटी रही. हॉरर फिल्मों से जुड़े गीतों पर आधारित क्विज टाइम भी हुआ. सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने भूतों के साथ जमकर डांस कर धमाल मचाया. इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड के चेयरमैन प्रतुल शाहदेव और को चेयरपर्सन डॉ. विद्या झा, निदेशक गण सत्यप्रकाश चंदेल, सुमित, संतोष, धीरज, हसन आदि उपस्थित थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में जयंत, प्रीतम, प्रियंका, दिव्या, सत्यम का योगदान रहा।

सांसद महुआ मांझी ने नेजाम नगर की समस्याओं के निराकरण का दिया आश्वासन

PHOTON NEWS RANCHI

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा रांची जिला समिति की ओर से हिंदपीढ़ी के नेजाम नगर स्थित सदर लेन में सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. झामुमो से राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रही. उन्होंने तमाम जनसमस्याओं पर बिन्दुवार निराकरण का आश्वासन दिया. कहा कि जल है तो जीवन है, 10 दिनों के अन्दर ही इस इलाके में 4 डीप बोरिंग की जायेगी. उन्होंने कहा कि बिजली, सड़क, नाली और विधालय जैसी समस्याओं का भी निराकरण का प्रयास होगा.

मौके पर जिलाध्यक्ष श्री मुशताक आलम, जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, बीरू साहु, जिला संगठन सचिव आदिल इमाम, आफताब आलम, सौम्वित माजी, फरीद आलम, परवेज आलम गुड्डू, मन्टु लाला, विलियम रिचड लकडा, गोपाल पाण्डे, संजय राय, सुमित चौधरी, कयुम अन्सारी, अमजद आदि शामिल थे. स्थानीय निवासी मुस्लिम अन्सारी एवं नजीम अन्सारी के नेतृत्व में नेजाम नगर के सदर हाजी आफताब, सेक्रेट्री इस्माइल के साथ 300 लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. सभी को साधारण सदस्य का फार्म भरवा कर बुके, माला और पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

विश्व के प्राचीनतम खेलों में से एक है तलवारबाजी : अर्चित आनंद

PHOTON REPORTER RANCHI : झारखंड तलवारबाजी संघ की ओर से तीन दिवसीय समर कैंप का समापन रविवार को मोरहाबादी स्थित प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। तलवारबाजी संघ के कोच रामाशीष सिंह एवं प्रेम उदय बैक ने खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण शिविर में 30 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया एवं खेल के नए नियमों से अवगत हुए।

झारखंड तलवारबाजी संघ के अध्यक्ष अर्चित आनंद ने बताया कि तलवारबाजी विश्व के प्राचीनतम खेलों में से एक है और ओलंपिक खेलों में दूसरा ऐसा खेल है जिसमें सबसे ज्यादा मेडल दिये जाते हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह का शिविर लगता रहेगा। इस केंद्र सभी तरह के आधुनिक उपकरण मौजूद हैं।

सभी प्रतिभागियों का अर्चित, महासचिव जयकुमार सिन्हा और कोषाध्यक्ष कर्मवीर उरांव ने हौसला बढ़ाया और अपने राज्य और देश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शनिवार की शाम 4:30 एवं रविवार प्रातः 6:30 प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

श्री राम कथा सह लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारी पूरी, कलश यात्रा आज

PHOTON REPORTER RANCHI : रातू मेला टांड़ में श्री राम कथा सह लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारी पूरी कर ली गई है. सोमवार से यहां महायज्ञ शुरू होगा, जो पांच दिनों तक लगातार यह कार्यक्रम चलेगा. आयोजन का अध्यक्ष संजय साहू ने बताया कि राज पैलेस के बड़ी मनी माधुरी मंजरी यज्ञ का शुभारंभ करेंगे. रातू मेला टांड़ में पहली बार महायज्ञ हो रहा है. यहां पांच हजार श्रद्धालुओं के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है. इसके लिए 10 हजार स्क्वायर फीट लंबी विशाल पंडाल बनाया गया है. इसमें राम कथा प्रवचन के लिए अलग पंडाल बनाया गया है. आचार्यों के विश्राम के लिए पुवाल के दो कुटिया बनाया गया है. आने जाने के लिए दो मुख्य गेट बनाए गए हैं।

इस अवसर पर यज्ञ स्थल के पास भगवान राम, लक्ष्मण माता सीता और बजरंग बली का विशाल प्रतिमा स्थापित किए जाएंगे. महायज्ञ को देहरादून के गोपाल मनी महाराज हजारों श्रद्धालुओं को राम कथा का वाचन करेंगे. इसके अलावा बनारस से 11 आचार्य द्वारा यज्ञ को शुभारंभ कराएंगे.12 जून को सुबह सात बजे सैकड़ों गांवों के हजारों महिलाएं मेला टांड़ में एकजुट होंगे. जयश्री राम का नारा लगाएंगे.गाजे-बाजे के साथ कलश को रवाना किया जाएगा।

वहां से कलश को अपने माथे पर ढोते हुए सभी महिलाएं बड़ा तालाब पहुंचेंगी. वहां विशेष पूजा पाठ किए जाएंगे. उसके बाद पुनः यज्ञ स्थल पहुंचेंगे और पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, वेदी निर्माण के काम किए जाएंगे. शाम चार बजे गोपाल मनी महाराज द्वारा रामकथा का प्रवचन देंगे और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा. 13, 14 और 15 जून को वेदी पूजन, अग्नि स्थापना, यज्ञाहुति होगी. शाम में संध्या आरती कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का भोग बांटा जाएगा और 16 जून को महाभंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे सिंधिया का झारखंड प्रवास 13 जून से

भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान को सफल बनाने कई नेता आ रहे झारखंड

PHOTON REPORTER RANCHI : केंद्र सरकार की नौ वर्ष की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा का महा जनसंपर्क अभियान जोर-शोर से चल रहा। लोकसभा एवं विधानसभा स्तर पर होने वाले कार्यक्रम लगातार जारी हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने नेताओं के कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। यह बात रविवार को महासंपर्क अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ प्रदीप वर्मा ने कही।

उन्होंने कहा कि इसी क्रम में पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे सिंधिया महा जनसंपर्क अभियान को सफल बनाने के लिए 13 जून को एक बजे अपराह्न बाबा बैजनाथ की पवित्र धरती देवघर पहुंचेंगी। तीन बजे अपराह्न सिंधिया देवघर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगी। 14 जून को वसुंधरा राजे प्रातः आठ बजे बाबा मंदिर में पूजा अर्चना के बाद 11 बजे पूर्वाह्न प्रेस वार्ता करेंगी। 1.30 बजे दुमका जिलांतर्गत कैराबनी में जनसभा को संबोधित करेंगी।

गिरिडीह लौटने के क्रम में सिंधिया कर्णपुरा एवम झगरी में पार्टी द्वारा आयोजित संपर्क से समर्थन कार्यक्रम में भाग लेंगी। वसुंधरा राजे का रात्रि विश्राम गिरिडीह परिसदन में होगा। 15 जून को 11 बजे पूर्वाह्न गिरिडीह में प्रेसवार्ता को संबोधित करने के बाद वे डुमरी में संपर्क से समर्थन कार्यक्रम में भाग लेंगी। एक बजे अपराह्न बगोदर में जनसभा को संबोधित करेंगी। शाम 5.30 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय रांची पहुंचकर रात आठ बजे सेवा विमान द्वारा नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

रेल राज्यमंत्री राव साहेब पाटिल दानवे 12 जून को 11 बजे महेशपुर के कल्याण छात्रावास मैदान में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को

वसुंधराजे सिंधिया की फाईल फोटो।

संबोधित करेंगे। 14 जून को 11 बजे पूर्वाह्न मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के सोनुवा में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन तथा 3 बजे अपराह्न चक्रधरपुर में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। शाम को वे वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ बैठक में भाग लेंगे। 15 जून को दानवे 11 बजे पूर्वाह्न चैतगढ़ में जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। 2.30 बजे नेवटिया में वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ बैठक में भाग लेंगे।

महाराष्ट्र के विधान पार्षद एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो राम सिन्दे 12 से 15 जून तक झारखंड में प्रवास करेंगे। 12 जून को रांची महानगर स्थित तपोवन मंदिर में पूजा अर्चना के बाद सिंदे 11 बजे पूर्वाह्न रांची महानगर जिला द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में बात करेंगे। चार बजे अपराह्न रांची महानगर कार्यालय परिसर में आयोजित संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करने के बाद विशिष्ट परिवारों से संपर्क से समर्थन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

13 जून को जमशेदपुर जाने के क्रम में 8 बजे पूर्वाह्न वे देवड़ी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। 11 बजे पूर्वाह्न जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। चार बजे अपराह्न जमशेदपुर पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में आयोजित टिफिन बैठक में भाग लेंगे। 14 जून को प्रो राम सिंदे 11 बजे पूर्वाह्न खूंटी में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे जबकि 15 जून को 11 बजे पूर्वाह्न तोरपा विधानसभा क्षेत्र के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। साथ ही संपर्क से समर्थन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी 12 एवं 13 जून को पाकुड़ एवम साहेबगंज जिला में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। 12 जून को मरांडी पाकुड़ जिलांतर्गत लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के गोहन्दा में अपराह्न दो बजे और शाम पांच बजे साहेबगंज जिला अंतर्गत बरहेट में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करेंगे।13 जून को मरांडी नौ बजे पूर्वाह्न साहेबगंज में गंगा दर्शन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद 10.30 बजे पूर्वाह्न प्रेसवार्ता को संबोधित करेंगे। वे 11 बजे पूर्वाह्न वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ संपर्क संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे और एक बजे अपराह्न बोरियो में जनसभा को संबोधित करेंगे।

विधि व्यवस्था और अपराध नियंत्रण पर डीजीपी सोमवार को करेंगे बैठक

PHOTON REPORTER RANCHI : विधि-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर डीजीपी सोमवार को (12 जून) को बैठक करेंगे. डीजीपी अजय कुमार सिंह पुलिस मुख्यालय में दिन के 11.30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जोनल आईजी, डीआईजी और एटीएस एसपी, सभी जिलों के एसएसपी, एसपी और रेल एसपी के साथ समीक्षा बैठक करेंगे. आगामी 15 जून को सीएम हेमंत सोरेन सभी जिलों के डीसी और एसपी के साथ समीक्षा बैठक करेंगे. बैठक में चर्चा किए जाने वाले एजेंडों पर समीक्षात्मक बैठक के संबंध डीजीपी सोमवार को समीक्षा बैठक करेंगे. इसे लेकर जिलों के एसपी से कहा गया है कि एजेंडा/ बिन्दुओं के अनुरूप प्रतिवेदन तैयार कर बैठक में ससमय उपस्थित रहेंगे।

नियोजन नीति के विरोध में दूसरे दिन भी दिखा असर, TATA-KANDRA मार्ग दो घंटे रहा जाम

सैकड़ों प्रदर्शनकारी मुख्य मार्ग पर बैठे रहे, पुलिस के समझाने के बाद वापस लौटे

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: झारखंड सरकार के 60-40 नियोजन नीति के विरोध में झारखंडी भाषा खतियानी संघर्ष समिति एवं संयुक्त झारखंड स्टूडेंट यूनियन के आह्वान पर बुलाए गए दो दिवसीय झारखंड बंद का असर लगातार दूसरे दिन रविवार को भी देखने को मिला । इस दौरान सरायकेला- खरसावां जिला के गम्हरिया स्थित केरला पब्लिक स्कूल के समक्ष सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और टाटा- कांड्रा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

नियोजन नीति के विरोध में प्रदर्शन करते झारखंड छात्र संघ के सदस्य व टाटा-कांड्रा सड़क पर वाहनों की लंबी कतार • फोटोन न्यूज

यह जाम करीब डेढ़ से दो घंटे तक रहा। जिसकी वजह से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों 60-40 नाय चलतो, कैसे लिया झारखंड- लड़के लिया झारखंड... जैसे नारे लगाते नजर आए। हालांकि जाम की सूचना पाकर मौके पर पहंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर मार्ग को खाली कराया। इस विरोध प्रदर्शन की खास बता यह रही कि इसमें युवाओं के अलावां बड़ी संख्या में महिलाएं व बुजुर्ग भी शामिल हुए। विदित हो कि बता दें कि राज्य सरकार द्वारा लाए गए 60-40 नियोजन नीति को लेकर स्थानीय लोग लगातार विरोध कर रहे हैं इसमें छात्र संगठन भी शामिल हैं। इनका कहना है कि इस नीति के लागू होने से यहां के स्थानीय एवं मूलवासियों के अधिकारों का हनन होगा जिसका वे कभी समर्थन नहीं करेंगे और लगातार विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक झांकी है अगर सरकार ने इस नीति को वापस नहीं लिया तो आगे इससे भी बड़ा उग्र आंदोलन होगा।

बिना प्रोफेसर हो रही डॉक्टरी की पढ़ाई, कॉलेज की मान्यता पर संकट

एमजीएम मेडिकल कालेज के 11 विषयों में प्रोफेसर ही नहीं, घट सकती हैं एमबीबीएस की सीटें

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: बिना प्रोफेसर डाक्टर कैसे तैयार होंगे, यह बड़ा सवाल है। महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कालेज में प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसरों की भारी कमी उत्पन्न हो गई है। इससे भावी चिकित्सकों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं, इस मामले को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने भी गंभीरता से लेते हुए सुधार करने का निर्देश दिया था लेकिन अभी तक इसमें कोई पहल नहीं हुई है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इस बार एमबीबीस की सीटें घट सकती हैं। वहीं, पीजी की सीट पर भी खतरा मंडराने लगा है। इसी सत्र से एमजीएम में सभी विषयों में पीजी की पढ़ाई शुरू हुई है। पीजी में 45 व एमबीबीएस की 100 सीटें हैं। दरअसल, एमजीएम में 11 विषय वैसे हैं जहां पर एक भी प्रोफेसर नहीं हैं। इसमें इमरजेंसी मेडिसिन, एनाटामी, माइक्रोबायोलाजी, रेडियोलाजी, साइकेट्री, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन सहित अन्य शामिल हैं। वहीं, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर व ट्यूटर की भी भारी कमी है।

164 में 48 फैकल्टी की सीटें खाली

एमजीएम मेडिकल कालेज में फैकल्टी की कुल 164 सीटें स्वीकृत हैं। इसमें 116 कार्यरत व 48 फैकल्टी की कमी है। प्रोफेसर के 26 पदों में मात्र 15 ही कार्यरत हैं। जबकि 11 पद रिक्त हैं। वहीं, एसोसिएट प्रोफेसर के 40 पदों में 32 कार्यरत, असिस्टेंट प्रोफेसर के 51 में 43 कार्यरत व ट्यूटर के 47 पदों में 26 कार्यरत हैं।

> फैकल्टी की कमी जरूर है। इसे लेकर विभाग को पत्र लिखा गया है। उम्मीद है कि जल्द ही प्रोफेसर व अन्य चिकित्सकों की कमी होगी। एनएमसी द्वारा गिनाई गई खामियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।
> – डा. केएन सिंह, प्रिंसिपल, एमजीएम।

इन विभागों में फैकल्टी की भारी कमी

विभाग	प्रोफेसर	एसो. प्रोफेसर	असि. प्रोफेसर	ट्यूटर
इमरजेंसी मेडिसिन	00	00	00	00
एनाटामी	00	00	01	02
माइक्रोबायोलाजी	00	01	02	04
रेडियोलाजी	00	00	01	00
साइकेट्री	00	00	01	00
फिजिकल मेडिसिन	00	00	00	00
टीबी चेस्ट	00	00	00	00

कॉलेज में फैक्ल्टी की स्थिति

पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्ति
प्रोफेसर	26	15	11
एसोसिएट प्रोफेसर	40	32	08
असिस्टेंट प्रोफेसर	51	43	08
ट्यूटर	47	26	21
कुल	164	116	48

BRIEF NEWS

सामुदायिक भवनों में व्याप्त अनियमितता की जांच की मांग के लिए उच्च न्यायालय में जनहित याचिका करेंगे दायर : मनोज मिश्रा

Jamshedpur: झारखण्ड सरकार के नगर विकास विभाग द्वारा सामुदायिक भवनों के जाँच के आदेश को जिला प्रशासन एवं जेएनएसी ने ठेंगा दिखा दिया है छः माह पूर्व आये आदेश पर आज तक जाँच की कोई कार्यवाही नहीं हुई उक्त जानकारी झारखण्ड मानवाधिकार संगठन के प्रमुख मनोज मिश्रा ने भुईयाडीह में आयोजित संगठन की एक बैठक में दीउन्होंने बताया कि वे इस संवेदनशील मामले को लेकर काफी गंभीर है` उन्होनें कहा की मामले को दबाने के जो प्रयास किये जा रहे है, उससे यह लगता है कि अक्षेस के पदाधिकारी भी इस गोरखधांधा मे शामिल है। उन्होंने इसकी शिकायत सरकार से करते हुए मामले की जानकारी उपायुक्त को भी दी है मनोज मिश्रा ने बताया कि मामले को किसी भी हाल मे रफा दफा होने नहीं देंगे। जरूरत पड़ेगी तो मामले पर उच्च न्यायलय को लेकर जनहित याचिका भी दायर करेंगे। उन्होंने बताया कि वे स्वयं भुईयांडीह स्थित छाया नगर सहित जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा संचालित शहर के सभी सामुदायिक भवनों में व्याप्त अनियमितता की जाँच की मांग को लेकर एक पत्र सरकार के नगर विकास विभाग को प्रेषित किया था जिसके जवाब में सरकार ने जिला उपायुक्त विजया जाधव को अपने पत्रांक 4463, दिनांक 21/12/22 द्वारा जाँच के आदेश दिए थे। डीसी ने मामले में खानापूर्ति करते हुए उसी आरोपित विभाग जमशेदपुर अक्षेस के विशेष पदाधिकारी को ही मामले की जाँच के लिए सम्बंधित पत्र भेज कर जाँच के आदेश दे दिए जिसके बाद अक्षेस ने मामले को ठन्डे बस्ते में डाल दिया। छः माह से अधिक समय गुजरने के बाद भी अबतक जाँच नहीं किये जाने को संगठन ने काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा है कि यह सरकार के आदेश की अवहेलना के साथ साथ भ्रस्टाचार को बढ़ावा देने वाला कुकृत्य भी है। उन्होंने बताया कि इसी मामले पर सूचना अधिकार के तहत मांगे गए सूचना मे भी अक्षेस के विशेष पदाधिकारी ने बगैर दस्तावेज के आधी अधूरी जानकारी देकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की थी जिसके खिलाफ आपत्ति दर्ज की गयी है` उन्होने कहा कि सामुदायिक भवनों में दबंगो का कब्जा है। जहां बिना रसीद के मनमानी शुल्क वसूला जाता है जिसमें अक्षेस के लोगों की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस पूरे मामले का वे भंडाफोड़ कर के रहेंगे।

परसुडीह बाजार में युवक पर जानलेवा हमला हुआ लहूलुहान, पुलिस कर रही जांच

Jamshedpur: जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में संतोष कुमार नामक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में वादी संतोष कुमार ने परसुडीह थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज कराए गए शिकायत में बताया गया है कि बीती शाम वाह परसुडीह बाजार गया था। जहां ग्वाला पट्टी निवासी सुभाष यादव एवं विनोद यादव द्वारा तीन- चार अन्य साथियों के साथ मिलकर उस पर लाठी-डंडे व रॉड से जानलेवा हमला कर दिया गया। किसी तरह जान बचाकर थाने पहुंचा और इसकी सूचना दी। जहां पुलिस द्वारा उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

सब्जियों के दाम ने बिगाड़ा किचन का स्वाद, बिंस, अदरक, टमाटर हुए महंगे

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: सब्जी की बढ़ती कीमतों ने किचेन का का बजट बिगाड़ दिया है सब्जियों के कीमत बढ़ने से आमलोगों के जेब पर असर पड़ रहा है जमशेदपुर के साकची मंडी में सब्जियों के बढ़ते दाम आम लोगों के पसीने छुड़ाने लगे है मंडी में टमाटर की लाली लोगों को लालचा रहा है.

वहीं बात करे बिन्स और अदरक की तो भारी गर्मी के बीच बढ़ते कीमत ने तापमान और बढ़ाने का काम कर रहा है जमशेदपुर के सभी मंडियों कुछ सब्जियों को छोड़ दिया जाए तो सभी के दामों में वृद्धि हुई है साकची, मानगो, बाडीडीह, गोलमुरी के मंडियों में भी सब्जियों के कीमत में उछाल है साकची मंडी के दुकानदार मनीष ने बताया कि हरे सब्जियों के आवक में कमी के चलते सब्जियों के दामों में वृद्धि हुई है उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा वृद्धि बींस, अदरक, टमाटर, भिंडी के दामों में वृद्धि ज्यादा हुआ है बाकी अन्य सब्जियों के दामों में मामूली वृद्धि हुई है। वहीं साकची मंडी सब्जी खरीदने आई भालूबासा की आरती ने बताया कि पिछले 20 दिनों में सब्जियों के दाम ज्यादा बढ़ गए हैं। उन्होंने बताया कि हरे सब्जियों के दामों में ज्यादा वृद्धि हुइ है।

बींस, भिंडी, बैंगन, साग ज्यादा महंगे हुए : टमाटर 40 से 50 रुपए, आलू - 17-20 रुपए, प्याज -20 रुपए, फूलगोभी-35-40 रुपए, बीन-180 रुपए, लहसुन - 120-140 रुपए, अदरख-240-280 रुपए, हरी मिर्च-40-50 रुपए, कद्दू-20-25रुपए किलो, शिमला मिर्च-60 रुपए, बैगन-30-40 रुपए, करेला-50 रुपए, भिंडी- 35-40 रुपए, धनिया पत्ता-100 रुपए किलो, पालक साग-60 रूपए किलो, लाल साग 40 रुपये किलो, करमी साग- 20 रुपये किलो, पटल- 30 -40 रुपये किलो, कुंदरू- 20 रुपये किलो.

पांच माह बाद भी कोल्हान विवि ने नहीं जारी किया पीएचडी प्रवेश परीक्षा का फाइनल परिणाम

विवि ने कहा-नए कुलपति की नियुक्ति तक परीक्षार्थियों को करना होगा इंताजार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: कोल्हान विश्वविद्यालय में 5 महीना पहले पीएचडी प्रवेश परीक्षा देने वाले छात्र अभी भी फाइनल परिणाम जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। विवि की ओर से आयोजित पीएचडी प्रवेश परीक्षा (लिखित) का परिणाम आने के पश्चात साक्षात्कार भी संपन्न हो चुका है। ऐसे में दोनों परीक्षाओं में मिले अंकों के आधार पर फाइनल रिजल्ट जारी होनी है लेकिन अभी तक इसके अंतिम रिजल्ट की घोषणा नहीं हो सकी है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रभात कुमार पाणि ने बताया कि पीएचडी प्रवेश के लिए आयोजित साक्षात्कार के रिजल्ट की घोषणा अब नए कुलपति की नियुक्ति के पश्चात ही संभव है। इस संबंध में मौजूदा कुलपति सह आयुक्त ने भी स्पष्ट कर दिया है। विदित हो कि कोल्हान विश्वविद्यालय में 6 साल बाद पिछले दिसंबर माह में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ था। ऐसे में छात्रों को उम्मीद थी कि 2 से 3 महीने में प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। लेकिन 5 महीने बाद भी छात्र अभी फाइनल रिजल्ट का इंतजार ही कर रहे हैं। विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नए कुलपति की

नियुक्ति में कम से कम 3 महीने का समय लगेगा ऐसे में पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को रजिस्ट्रेशन के लिए कम से कम अभी 4 महीने का इंतजार करना होगा।

एलएलबी प्रवेश परीक्षा भी परिणाम नहीं हुआ जारी, सत्र शुरू होने में एक साल का हो चुका है विलंबः कोल्हान विवि के एक मात्र सरकारी लॉ कॉलेज में संचालित एलएलबी के सत्र 2022-25 में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का इंतजार छात्र कर रहे हैं। इस प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया पिछले छह महीने पहले से शुरू हुइ थी। लेकिन आज तक इस परिणाम नहीं जारी हो सका है। जबकि नियमतः नामांकन की प्रक्रिया पिछले वर्ष की पूरी हो जानी चाहिए थीं। लेकिन विवि की गलती की वजह से छात्रों का पूरा एक साल बर्बाद हो गया है। छात्रों का कहना है जिस नामांकन प्रकिया को पिछले वर्ष अगस्त में पूरा हो जाना चाहिए। उसके प्रवेश परीक्षा का परिणम 2023 जून में भी नहीं जारी हो सका है।

कैटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ व 'सनम रे' फेम पुलकित सम्राट के साथ अहम भूमिका में आएंगे नजर

JAMSHEDPUR के प्रशांत की बॉलीवुड में धमाकेदार इंट्री

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: लौह नगरी में अब लोहा ही नहीं बनता बल्कि अब कलाकार भी बनते हैं. दुनिया भर में स्टील सिटी के नाम से मशहूर जमशेदपुर अब फिल्म निर्माण व वीडियो एलबम शूट के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है. यहां के कलाकार जमशेदपुर के नाम को पूरे देश में आगे बढ़ा रहे हैं. मानगो के रहने वाले प्रशांत सिंह इन दिनों फिल्मी गलियारों में अपनी आगामी फिल्म के लिए चर्चा में हैं.

उनकी आने वाली चार हिंदी फिल्में बनकर तैयार हैं. साल के अंत में मूवी रिलीज होने वाली हैं. मानगो के गुरुनानक स्कूल से पढ़ाई पूरी कर चुके प्रशांत को बचपन से ही एक्टिंग और एक्शन का शौक रहा है. पढ़ाई पूरी करने के बाद मुंबई चले गये. उसके बाद से वो फिल्म निर्माण के क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं.

- **आगामी फिल्म साइकेट्रिस्ट, सुस्वागतम खुशामदीद, फलानी व केम्पापुरा दा कल्लारु में आयेंगे नजर**

उनकी आने वाली फिल्मों में साइकेट्रिस्ट, सुस्वागतम खुशामदीद, फलानी व केम्पापुरा दा कल्लारु शामिल हैं.

उन्होंने द फोटोन न्यूज से बातचीत में बताया कि वे सुस्वागतम और खुशामदीद में बॉलीवूड की अभिनेत्री कैटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ व बॉलीवूड की सुपरहिट फिल्म 'सनम रे' फेम पुलकित सम्राट के साथ नजर आएंगे. उन्होंने बताया कि साइकेट्रिस्ट फिल्म में वो एक सीबीआई ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे.

इस फिल्म को उन्होंने खुद लिखा है. साथ ही फिल्म की शूटिंग

प्रशांत सिंह • फोटोन न्यूज

झारखंड के विभिन्न लोकेशनों पर हुई है. उन्होंने बताया कि फिल्म फलानी में चाकलेट ब्वाय की भूमिका में नजर आएंगे. उन्होंने बताया कि इस फिल्म के निर्देशक धीरज कुमार हैं, जो काशी इन सर्च आफ गंगा का निर्माण कर चुके हैं. प्रशांत सिंह फिलहाल जमशेदपुर एक नये फिल्म प्रोजेक्ट को लेकर आये हैं.

उन्होंने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म सुस्वागतम खुशामदीद दो ऐसे लोगों की कहानी है जो समाज को प्यार और दोस्ती का मैसेज देने में यकीन रखते हैं. उन्होंने बताया कि उन्हें इस फिल्म से काफी उम्मीद हैं.

तेलगु फिल्म में मिला मौका : इसके अलावा वे बहुत जल्द एक तेलगु फिल्म में भी काम करने वाले है. वे इस फिल्म में इंस्पेक्टर के रोल में नजर आएंगे. उन्होंने बताया कि जमशेदपुर के कलाकारों में बहुत प्रतिभा है. जरूरत है उन्हें अवसर देने की. उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार को राज्य में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कलाकारों का साथ देना चाहिए. सरकार सहयोग करे तो यहां बड़े- बड़े फिल्मों का निर्माण होगा. साथ ही उन्होंने कहा की जमशेदपुर में फिल्म सिटी बनाने की बहुत संभावना है.

उन्होंने कहा कि झारखंड में फिल्म शूट के लिहाज से बहुत अच्छा है. आगे उन्होंने कहा कि मैं जमशेदपुर को हमेशा मिस करता हूं.

जमशेदपुर हमेशा दिल में रहता है. उन्होंने कहा कि अक्सर लोग मुंबई जाने के बाद जमशेदपुर को भूल जाते हैं. लेकिन वे जमशेदपुर को मुंबई जैसा बनाना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि यहां के कलाकारों को अवसर देने के लिए बहुत जल्द ही जमशेदपुर में एक फिल्म का निर्माण करुंगा. इसमें अधिक से अधिक स्थानीय कलाकार काम करेंगे.

शिक्षा सचिव का फरमान

12 से 14 जून तक बंद रहेंगे सभी सरकारी व निजी स्कूल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: झारखंड के अधिकतर जिलों में पड़ रही भीषण गर्मी व चल रही लू को देखते हुए राज्य के सभी सरकारी व निजी स्कूलों को 14 जून तक के लिए बंद कर दिया गया है। इसे लेकर शिक्षा सचिव के रवि कुमार की ओर से आदेश जारी किया गया है। इसमे कहा गया है कि राज्य में पड़ रही अधिक गर्मी और लू को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसका आदेश शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने 11 जून को जारी कर दिया। जारी आदेश के तहत राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त / गैर सहायता प्राप्त

- **भीषण गर्मी की वजह से शिक्षा विभाग ने लिया अहम फैसला**

(अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालय 12 जून से बंद रहेंगे। फिलहाल स्कूल 14 जून तक के लिए बंद किए गये हैं। सचिव ने कहा है कि इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होनेवाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से निर्णय लेते हुए सूचित किया जायेगा। विदित हो कि जमशेदपुर में सरकारी स्कूल पहले से संचालित हो रहे हैं जबकि निजी स्कूल सोमवार से खुल रहे थे। लेकिन इस आदेश के बाद सभी स्कूल 14 जून के बाद खुलेंगे।

पटना मेट्रो के साइटों का निरीक्षण

मानसून आने के पहले सतर्क हो रहा है मेट्रो

दिल्ली मेट्रो के निदेशक ने लिया जायजा

पटना।
पटना में चल रहे मेट्रो निर्माण के कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। इसके साथ ही मानसून के आने से पहले पटना मेट्रो की ओर से इंतेजाम किए जा रहे हैं। वहीं अब तक प्ररिओरिटी कॉरिडोर कक्रमें 41 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। प्ररिओरिटी कॉरिडोर के तीन स्टेशन जो आईएसबीटी, खेमनीचक और भूतनाथ रोड है इन स्टेशनों में क्रॉस आर्म के इरेक्शन का कार्य शुरू हो गया और एक अन्य स्टेशन मलाही पकड़ी में क्रॉस आर्म के इरेक्शन की तैयारियां चल रही हैं । दिल्ली मेट्रो रेल

कॉपोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) के कार्य निदेशक दलजीत सिंह दिल्ली से आकर पटना में चल रहे मेट्रो का कार्य निरीक्षण किया।

मानसून के आगमन से पहले पटना मेट्रो हो रहा सतर्क

मानसून के आगमन को देखते हुए दलजीत सिंह ने ठल्ल-30 के उत्तर की तरफ स्थित नाले का चल रहे सफाई कार्यों और मानसून प्रबंधन कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने मेट्रो निर्माण साईट के अंदर ड्रेनेज व्यवस्था और नाले को दुरुस्त करने का आदेश दिया। साथ ही साईट के अंदर या उसके आसपास पड़ने वाले सार्वजनिक नाले की उड़ाही कर उसे व्यवस्थित और सुचारु रूप से पानी का निकासी हो सके इसका निर्देश दिया। सभी निर्माण साईट के आसपास बैरिकेडिंग को सही करने, आम नागरिकों के लिए साईट के आसपास सुरक्षा सूचना की दृश्यता (विजिबिलिटी) बढ़ाने जिससे कोई भी अनहोनी ना हो, इस बात का निर्देश दिया।

पहले टनल बोरिंग मशीन ने पूरा किया 40 मीटर की खुदाई

बता दे की मोईन-उल -हक अंडरग्राउंड स्टेशन में टनलिंग का कार्य चल रहा है। पहले टनल बोरिंग मशीन ने करीब 40 मीटर खुदाई का कार्य लाइनिंग के साथ गति में पूरा कर लिया है और दूसरी टनल बोरिंग मशीन द्वारा टनलिंग ड्राइव की शुरूआत कर दी गई है। दलजीत सिंह ने बताया की यह शुरूआती दौर है, वहीं पटना के मिट्टी के प्रकार को ध्यान में रखते अंडरग्राउंड मेट्रो के खुदाई के लिए साईट और टनल बोरिंग मशीन के बीच सामन्जस्य बैठाना बहुत ही क्रिटिकल काम है, लेकिन पटना मेट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों द्वारा बहुत ही एहतियात बरतते हुए टनलिंग का कार्य निर्बाध रूप से करने की कोशिश की जा रही है। दलजीत सिंह ने मेट्रो के सभी साईट के कास्टिंग यार्ड, पाटलिपुत्र आईएसबीटी टर्मिनल डिपो के अलावा सभी भूमिगत एवं एलिवेटेड स्टेशन साइटों जैसे आकाशवाणी, गाँधी मैदान, खेमनीचक, मलाहि पकरी, भूतनाथ रोड, जीरो माइल, राम कृष्णा नगर, मीठापुर का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। मोइनुल हक स्टेडियम में चल रहे अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन के निर्माण और प्रगति के अलावा भविष्य की कार्य निष्पादन योजना और अन्य साइटों पर काम की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

बांग्लादेश से लाया गया पौने 8 करोड़ का सोना जब्त

पटना में हावड़ा- नई दिल्ली दूरंतो एक्सप्रेस के AC कोच से दो तस्करों को DRकने पकड़ा

पटना।
तस्करी कर ले जाए जा रहे सोना की एक बड़ी खेप को डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (ऊक्र) की टीम ने जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब पौने 8 करोड़ की है। जब्त किए गए सोने का वजन करीब साढ़े 12 किलो है। बरामद सोना बांग्लादेश का है। अपनी कार्रवाई को अंजाम देते हुए ऊक्र की टीम ने दो तस्करों को भी पकड़ा है। इस पूरी कार्रवाई को पटना जंक्शन पर अंजाम दिया गया है। कार्रवाई शुक्रवार 9 जून की है। पर इस पूरे मामले का खुलासा रविवार को ऊक्र की तरफ से किया गया है।

कमर में बंधा हुआ मिला सोना

ऊक्र के पास एक स्पेशल इनपुट था। जिसके बाद एक स्पेशल टीम बनाई

गई। टीम ने 9 जून की शाम हावड़ा से नई दिल्ली जा रही 12273 दूरंतो एक्सप्रेस के पटना जंक्शन पर पहुंचते ही इसके अउ कोच इ-7 को घेर लिया। उसमें सवार दो तस्करों प्रेमल और अनिल को पकड़ा। पहले इनके सामान की तलाशी ली। जब सामान में सोना नहीं मिला तो इनके शरीर की जांच हुई। फिर कमर में कपड़े का बंधा हुआ कमरबंद मिला। इसी के अंदर सोने का बिस्किट छिपाया हुआ मिला। इसके बाद दोनों को ट्रेन से उतार लिया गया।

दिल्ली में होनी थी डिलीवरी

दोनों तस्करों को अपने कब्जे में लेने के बाद ऊक्र की टीम ने उनसे लंबी पूछताछ की। जिसमें कई खुलासे हुए। लेकिन, इस बारे में जांच का हवाला देकर ऊक्र के अधिकारी कुछ भी बताने से बच रहे हैं। पर सूत्र बताते हैं कि बांग्लादेश से तस्करी कर सोना को पश्चिम बंगाल लाया गया। वहां से ट्रेन के जरिए इसे दिल्ली ले जाना था। दोनों तस्कर हावड़ा स्टेशन पर ट्रेन में सवार हुए थे। फिर दिल्ली पहुंचने के बाद उसकी डिलीवरी करते। मगर, बीच में ही पटना में पकड़े गए। दोनों तस्कर अलग-अलग स्टेट के रहने वाले हैं। इनसे मिले इनपुट के आधार पर ऊक्र की टीम आगे की जांच और कार्रवाई में जुट गई है। इनके पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। वहीं, शनिवार के दिन इन दोनों तस्करों को जेल भेज दिया गया है।

बेतिया में पति के हत्यारे को हराया, बनीं सभापति

पति का सपना पूरा करने के लिए पत्नी रीना देवी ने नरकटियागंज नगर परिषद उपचुनाव में सभापति पद पर जीत हासिल की है। उन्होंने पति के हत्यारे निवर्तमान सभापति राधेश्याम तिवारी को 3729 मतों से पराजित किया है। राधेश्याम ने जेल से ही नामांकन किया था। मतगणना केंद्र पर रीना अपने पति की तस्वीर लेकर पहुंची और कहा मैं पति के सपने को पूरा करने के लिए चुनावी मैदान में उतरी। जनता ने उनके ऊपर भरोसा जताया। रीना ने कहा कि पति कहते थे जो 20 साल में नहीं हुआ वो दो साल में करके दिखाएंगे। ये बातें कहते-कहते वो भावुक होकर रोने लगीं। साथ में उनकी बेटी भी थी।

प्रतिद्वंदी हत्या के आरोप में हुआ था गिरफ्तार

नगर निकाय के दूसरे फेज के चुनाव से ठीक 15 दिन पहले

प्रॉपर्टी डीलर सह सभापति प्रत्याशी राजेश श्रीवास्तव को अपराधियों ने नरकटियागंज शहर के बीचो-बीच स्थित भगवती नगर उनके ऑफिस के सामने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में निवर्तमान सभापति राधेश्याम तिवारी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। राजेश की हत्या के बाद चुनाव आयोग ने नरकटियागंज नगर परिषद के सभापति पद पर चुनाव रद्द कर दिया था। तीसरे फेज में 9 जून को सभापति पद के लिए चुनाव हुआ। जिसका रिजल्ट रविवार 11 जून को आया।

बारात से लौट रही स्कॉर्पियो ने पहले से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में मारी टक्कर, 3 की हालत नाजुक

समस्तीपुर में सड़क हादसे में 3 की मौत, 5 घायल

समस्तीपुर।
समस्तीपुर जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र के सिंघिया बहेरी पथ पर सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक में शनिवार रात बारात लेकर लौट रही स्कार्पियो ने टक्कर मार दिया। इस घटना में मौके पर ही दो बारातियों की मौत हो गई, जबकि एक बाराती की मौत दरभंगा उट्टउल्ल में हुई है। इस घटना में 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं, जिनमें तीन की हालत नाजुक बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि बारात मर्रा बसंतपुर कुशेश्वरस्थान से वापस बहेड़ी के बलीगांव लौट रही थी।

मृतक की पहचान बहेरी उजैना के स्कार्पियो चालक श्याम कुमार यादव (25), बाराती मोहम्मद सोनू (16), दरभंगा निवासी नबी अहमद (14) के रूप में की गई है। मृतक श्याम और सोनू के शव को सिंघिया पुलिस ने जब्त तक सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए लाया है। जबकि तीसरे मृतक का शव उट्टउल्ल में पड़ा हुआ है। परिजनों ने बताया कि मरवाड़ा चौक पर 3 दिन पहले दो ट्रक आपस में टकरा गए थे। इस दौरान एक ट्रक घटनास्थल पर लगी हुई थी। अगर प्रशासन उस ट्रक को सड़क से हटा दी होती, तो यह हादसा नहीं होता।

मौके पर ही दो युवकों की गई जान

बलीगांव के मुनीतेस्वर नैयाज ने बताया कि शनिवार रात डॉ. इसराइल के पुत्र मो. सद्दाम की शादी कुशेश्वरस्थान थाने के मर्रा बसंतपुर गांव में थी। शादी समारोह के बाद एक स्कॉर्पियो में 8 से 9 लोग सवार होकर वापस बलीगांव लौट रहे थे। इसी दौरान मड़वारा चौक के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से स्कॉर्पियो ने टक्कर मारी, जिससे मौके पर ही स्कार्पियो चालक श्याम के अलावा बराती मो. सोनू की मौत हो गई। इस घटना में मो. फैयाज (19), मो. शाहनवाज (20), मो. शाहनवाज (18), मो. शाहनवाज (18) समेत एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी को देर रात ही दरभंगा ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक अन्य बाराती की मौत हो गई। बताया गया है कि उक्त बाराती गांव के मेहमान हैं, जो दूसरे जगह से बाराती में शामिल होने के लिए आए हुए थे। घायलों में मोहम्मद फैयाज के अलावा तीनों शाहनवाज नामक युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है है कि एक शाहनवाज कोमा में हैं।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष

सिंघिया थानाध्यक्ष कृष्णकांत मंडल ने कहा कि घटना की सूचना के बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। 2 मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेजा गया है। एक की मौत दरभंगा में होने की सूचना है। घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

बांका में मुर्गा-चावल का भोज खाकर 250 लोग बीमार

बांका।
बांका में शादी समारोह में मुर्गा-चावल का भोज करने वाले 250 लोग बीमार हो गए। ये सभी उल्टी, सिर दर्द से परेशान थे। जिसके बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन मरीजों की संख्या ज्यादा होने के कारण गांव में ही कैंप लगाकर प्रशासन की मौजूदगी में सभी का इलाज किया जा रहा है। बीमार होने वालों में 50 बच्चे, 50 पुरुष और 150 महिलाएं हैं। मौके पर एसडीपीओ, बीडीओ, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी स्थिति का जायजा ले रहे हैं। मामला कटोरिया प्रखंड सूर्या थाना क्षेत्र के छिड़ा गांव का है।

शुक्रवार रात भोज का हुआ था आयोजन भोज शुक्रवार की रात को हुआ था। शनिवार को कुछ लोग बीमार हुए और रविवार को काफी संख्या में लोगों के बीमार

पड़ने के बाद स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। मुर्गा-चावल का भोज करने के कुछ देर बाद ही सभी को उल्टी और चक्कर आने लगा था। ग्रामीणों ने कहा कि शादी समारोह में मुर्गा-चावल का भोज खाने के बाद अचानक सभी की स्थिति बिगड़ने लगी। अफरा-तफरी का माहौल हो गया। जिसके बाद प्रशासन ने पहल की और गांव में ही स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर सभी का इलाज शुरू करवाया। एसडीपीओ बिहारी ने कहा कि भोज खाने के बाद सभी बीमार पड़ गए थे, सभी का इलाज गांव में ही स्वास्थ्य शिविर में किया जा रहा है।

विपक्षी एकता की बैठक में 18 पार्टियां होंगी शामिल

ललन सिंह बोले- चुनाव बाद होगा प्रधानमंत्री का चयन, नीतीश नहीं बनेंगे PM

पटना।
पटना में 23 जून को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में 18 पार्टियां शामिल होंगी। रविवार को इसकी जानकारी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि चुनाव बाद ही प्रधानमंत्री का चयन होगा। नीतीश कुमार पीएम नहीं बनेंगे। पटना जदयू कार्यालय में ललन सिंह ने ये बातें कही। उन्होंने पीएमसीएच के पूर्व अधीक्षक विमल कारक को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

ललन सिंह ने यह भी कहा कि विपक्षी एकता की तरफ से प्रधानमंत्री कौन होगा? यह अभी नहीं बताया जाएगा। जब चुनाव हो जाएगा और विपक्षी एकता की जीत हो जाएगी। इसके बाद प्रधानमंत्री की घोषणा की जाएगी। साथ ही उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि अभी देश में इमरजेंसी की स्थिति है। 1974 वाला इमरजेंसी तो घोषित वाली इमरजेंसी थी। आज अघोषित इमरजेंसी है। देश में आपातकाल लागू है। लेकिन, कहा नहीं जा रहा है। किसी को बोलने की स्वतंत्रता नहीं है। जब लोकतंत्र में बोलने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाए तो स्थिति बदलनी चाहिए। आज लोकतंत्र बहुत खतरनाक

स्थिति में है। पुराने सारे इतिहास को भाजपा बदल रही है। अपने नाम से इतिहास कराने का प्रयास किया जा रहा है। महात्मा गांधी को भूल रहे हैं। आप भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों को भूल रहे हैं, जननायक कपूर्री ठाकुर के संघर्षों को भूल रहे हैं।

ललन सिंह ने और क्या कहा

ललन सिंह ने यह भी कहा कि बीजेपी आरक्षण विरोधी हैं। 1977 में कपूर्री ठाकुर ने आरक्षण लागू किया था तो भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने उस सरकार को गिरा दिया था। जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं हैं। सभी संवैधानिक संस्थाओं पर अपना नियंत्रण भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कर रखा है। मीडिया की स्वतंत्रता समाप्त हो गई है। राहुल गांधी की सदस्यता जाती है तो 5 दिन तक डिबेट चलता है। यह लोग धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं। ललन सिंह ने टीवी एंकर का नकल करते हुए कहा कि आप देख रहे हैं भगवान का अपमान हुआ है। धर्म का अपमान हुआ है। दिन भर चिल्ला चिल्ला कर धार्मिक उन्माद फैलाते हैं।

देश के नहीं गुजरात के पीएम हैं मोदी

जदयू नेता ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं हैं। वह सिर्फ गुजरात के प्रधानमंत्री हैं। निजीकरण की तरफ देश जा रहा है। देश की समस्याओं पर नहीं बोलेंगे, यह धर्म के नाम पर समाज में उन्माद फैलाकर पैदा कर रहे हैं। उनके नाम पर धार्मिक भावना फैलाकर वोट लेने की साजिश कर हैं। जनता सब देखती है और समय पर जवाब देती है। कर्नाटक में भी इनको जवाब दे दी थी और आने वाले समय में भी करारा जवाब मिलेगा।

महबूबा मुफ्ती और फारुख अब्दुल्ला भी आएंगे

23 जून को 18 विपक्षी पार्टी के लोग पटना आ रहे हैं। महबूबा मुफ्ती, फारुख अब्दुल्ला विपक्षी एकता की बैठक पटना में शामिल होंगे। आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

संक्षिप्त -समाचार

48 घंटे में बिहार में दस्तक दे सकता है मानसून:पटना, पूर्णिया और जमुई में तेज हवा के साथ बारिश

पटना में रविवार देर शाम अचानक मौसम बदल गया। तेज हवा के साथ झमाझम हुई बारिश से राजधानी के लोगों को गर्मी से राहत मिली। इसके साथ ही जमुई और पूर्णिया में भी तेज हवा के साथ बारिश हुई। पूर्णिया में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

रविवार को मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में बिहार के उत्तरी भागों के कई जिलों में मौसम में बारिश होने की संभावना जताई है। दूसरी तरफ पूर्वी-पश्चिमी और दक्षिणी बिहार में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर, पश्चिम बिहार के पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण में एक या दो स्थानों पर बारिश होने की संभावना जताई है।

वहीं, उत्तर मध्य बिहार के सीतामढ़ी, मधुबनी और शिवहर जिलों में एक-दो जगहों पर बारिश होने की संभावना है। बात करें उत्तर पूर्व बिहार की तो सुपौल, अररिया, किशनगंज में भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही पूर्णिया और कटिहार जिलों में एक-दो जगह पर बारिश होने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव ने दी जानकारी

दक्षिण पश्चिम बिहार और दक्षिण मध्य बिहार में भी मौसम शुष्क रहने की बात सामने आ रही है। वहीं दक्षिण पूर्व बिहार के भागलपुर जिले में एक-दो जगहों पर बारिश होने की जानकारी मौसम विभाग ने दी है। मौसम विभाग का कहना है कि पटना, सारण, शेखपुरा और औरंगाबाद जिले में लू चलेगी।

वहीं दूसरी तरफ पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर ,सुपौल, अररिया, पूर्णिया, भागलपुर और कटिहार जिले में बारिश की संभावना है। किशनगंज जिले में एक या दो स्थानों पर गरज के साथ-साथ भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव ने बताया कि केरला में मॉनसून पहुंच चुका है। इसके साथ ही सिक्किम के कुछ भागों में भी मॉनसून पहुंच चुका है। आने वाले 24 से 48 घंटे में बिहार के लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

शेखपुरा, भोजपुर और औरंगाबाद रहा सबसे गर्म

पिछले 24 घंटे में शेखपुरा 43.3, भोजपुर 43.3, औरंगाबाद 43.3 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म जिला रहा। वहीं पटना 43.1 डिग्री, वाल्मीकि नगर 42.5 डिग्री, मोतिहारी 42.6 डिग्री, नालंदा 42.5 डिग्री, जीरादेई 42.4 डिग्री, सबौर 40 डिग्री, जमुई 41.1 डिग्री, नालंदा 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कांग्रेस विधायक ने गिरिराज सिंह पर साधा निशाना: कहा- देश की आजादी में इनकी क्या भूमिका थी

भागलपुर।
बिहार में लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों की बीच बयानबाजी तेज हो गई है। 23 जून को इसको लेकर विपक्ष की बैठक होने जा रही है। विपक्ष के बड़े नेता संभावित रूप से इस बैठक में शामिल होंगे। इसी बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान नाथूराम गोडसे को देश का सपूत बताकर बिहार की राजनीति में अलग तान छेड़ दिया है। इस पर सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने अब इसपर पलटवार किया है।

BJP पर अजीत शर्मा ने किया पलटवार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गोडसे, बाबर और औरंगजेब की तरह कोई घुसपैठिया नहीं, जो देश पर आक्रमण की नीति से चढ़ाई कर आया हो। नाथूराम इस देश में पैदा हुए हैं। उनकी जन्म और कर्म भूमि दोनों यहीं है। वह देश के सपूत हैं। इस पर कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा ने कहा कि गोडसे गांधीजी का हत्यारा है, पूरा देश जानता है। देश को आजाद करने में क्या उनकी भूमिका रही है ? कांग्रेस के लोगों ने कुर्बानियां दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में वैसे ही लोग है जो अंग्रेजों की विचारधारा को मानते हैं, जिसे देखते हुए पूरा विपक्ष एकजुट होकर इस बार केंद्र सरकार को कड़ा जवाब देगा। अजीत शर्मा ने कहा कि 23 जून को होने वाले बैठक में कांग्रेस की बड़ी भूमिका होगी। हालांकि राहुल गांधी के इस बैठक में शामिल होने कि संभावनाएं कम जताई जा रही है।

एकमात्र मकसद

समायोजन की वापसी पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक कसावट में रोक को और आगे जारी रखने का मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का ताजा फैसला मुद्रास्फीति को अपने नीतिगत दृष्टिकोण में सबसे आगे और इसके केन्द्र में रखने के दर निर्धारित करने वाले इस समिति के आश्वस्तकारी संकल्प को दशार्ता है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्पष्ट रूप से कहा कि ह्लअर्थव्यवस्था को अपनी क्षमता का एहसास कराने की योग्यता की दिशा में मौद्रिक नीति का सबसे अच्छा योगदान मूल्य स्थिरता को सुनिश्चित करना हैह्व। श्री दास ने यह स्वीकार किया कि भले ही हेडलाइन मुद्रास्फीति मार्च और अप्रैल में उल्लेखनीय रूप से कम रही और यह चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में 2022-23 की 6.7 फीसदी की औसत गति से धीमी होती हुई 4.7 फीसदी तक आ गई हो, लेकिन खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी ह्यअभी भी लक्ष्य से ऊपर है और 2023-24 के लिए आरबीआई के अनुमानों के अनुसार इसे ऐसा ही बने रहने की उम्मीद हैह्व। एमपीसी, जिसने मार्च 2024 में समाप्त होने वाले 12 महीनों के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के औसतन 5.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, वैश्विक अनिश्चितताओं के मद्देनजर मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप करने में जारी चुनौतियों से अवगत है। विशेष रूप से, श्री दास ने इस मानसून के दौरान अल नीनो की स्थिति के मद्देनजर वर्षा के स्थानिक एवं अस्थायी वितरण, निरंतर जारी भू-राजनैतिक तनाव, चीनी, चावल एवं कच्चे तेल सहित अंतरराष्ट्रीय वस्तुओं की कीमतों में अनिश्चितता और वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता को एमपीसी के मुद्रास्फीति संबंधी अनुमानों के लिए बढ़ते जोखिमों के रूप में रेखांकित किया। आरबीआई के नीतिगत दृष्टिकोण को प्रभावित करने वाला एक अन्य महत्वपूर्ण कारक इसका यह दृढ़ विश्वास है कि मूल्य और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने पर निरंतर ध्यान देने के बाद ह्यमैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल्सह्व मजबूत हुए हैं। निश्चित रूप से आरबीआई ने जब मई 2022 से अपनी मानक ब्याज दरों को बढ़ाना शुरू किया है, तब से ऋण लागत में हुई बढ़ोतरी ने पिछले साल निवेश और उपभोग संबंधी गतिविधियों को धीमा कर दिया है। बैंक के ऋण संबंधी आंकड़े यह दशार्ते हैं कि उद्योग, विशेष रूप से सूक्ष्म एवं लघु (एमएसएमई) और मध्यम स्तर के उद्यमों, को ऋण में बढ़ोतरी की रफ्तार पिछले साल काफी धीमी रही। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में अनुमानित निजी उपभोग खर्च में आया क्रमिक संकुचन भी कुछ हद तक उच्च उधार लागत का नतीजा रहा होगा। फिर भी, जैसा कि श्री दास ने जोर देकर कहा है, नीति निमार्ता मुद्रास्फीति से अपनी नजरें हटाने का जोखिम नहीं मोल ले सकते। मूल्य स्थिरता आखिरकार एक सार्वजनिक कल्याण है और टिकाऊ अपस्फीति की स्थिति को हासिल करना एक अनिवार्य लक्ष्य बना रहना चाहिए। खासतौर पर, आय में बढ़ती असमानता और व्यापक पैमाने पर बेरोजगारी के बीच।

जटिल मामलाः डोनाल्ड ट्रंप पर अभियोग और अमेरिकी राजनीति

सैकड़ों गोपनीय दस्तावेजों का कथित दुरुपयोग करने के मामले में, न्याय विभाग (डीओजे) की जांच में फेडरल ग्रैंड जूरी द्वारा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ औपचारिक अभियोग लगाए जाने से 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक अभूतपूर्व राजनीतिक स्थिति पैदा हो गई है। अमेरिकी इतिहास में यह पहला मौका है जब संघीय सरकार एक पूर्व राष्ट्रपति को आरोपित करने जा रही है। ट्रंप के वकीलों के मुताबिक, रिपब्लिकन पार्टी के नेता कुल सात आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिसमें जासूसी कानून का उल्लंघन और न्याय की राह में अड़ंगा डालने की साजिश शामिल हैं। अभियोजकों का कहना है कि उनके द्वारा कागजात लौटाने की मांग किए जाने के बाद भी ट्रंप ने जान-बूझ कर इन संवेदनशील दस्तावेजों को अपने पास रखा, जो फ्लोरिडा में उनके मार-ए-लागो आवास से तलाशी वारंट के जरिए बरामद किए गए। प्राइवेट सर्वर के इस्तेमाल को लेकर, 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में हिलेरी क्लिंटन पर तीखा हमला बोलने वाले ट्रंप के लिए यह शर्मिंदगी की स्थिति है। वर्ष 2016 में ह्यएडल्ट फिल्मोंह्व की एक अभिनेत्री का मुंह पैसों से बंद करने के मामले में, मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी की जांच में वह पहले ही आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे पलटने के लिए ट्रंप व उनके सहयोगियों द्वारा की गई कथित कोशिशों की जांच जॉर्जिया में एक अभियोजक कर रहा है। इस मामले में वे अगस्त तक आरोपित किए जा सकते हैं। जब चुनाव अभियान जोर पकड़ रहा है, ठीक उसी वक्त संघीय सरकार द्वारा नये आरोपों की प्रक्रिया आगे बढ़ाए जाने से उनकी कानूनी मुश्किलें और बढ़ेंगी। अगर पैसों से मुंह बंद करने की जांच न्यूयॉर्क में एक डेमोक्रेट अटॉर्नी द्वारा शुरू की गई, तो गोपनीय दस्तावेज मामले की जांच न्याय विभाग (जिसके प्रमुख, अटॉर्नी जनरल मेरिक बी. गारलैंड, का चयन बाइडेन ने किया है) द्वारा नियुक्त विशेष वकील द्वारा की गई। पिछले साल गोपनीय दस्तावेज बाइडेन, पूर्व उप राष्ट्रपति माइक पेंस और ट्रंप के आवासों से मिले थे। बाइडेन के पास से मिले गोपनीय कागजात उस समय के थे जब वह उपराष्ट्रपति थे।

कठिन हालात में बेहतरी की उम्मीद

ANALYSIS

धर्मकीर्ति जोशी

महंगाई को लेकर जोखिम अभी भी बने हुए हैं और रिजर्व बैंक भी इनसे भलीभांति वाकिफ है। फिर भी, इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जहां दुनिया भर में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है, वहीं भारत में इस रुझान में कुछ स्थायित्व आया है। हाल के दौर में आर्थिक परिदृश्य पर और भी कई सकारात्मक संकेत सुकून देने वाले रहे। वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के आंकड़ों ने उम्मीद से कहीं बेहतर तस्वीर दिखाई। इस दौरान जीडीपी वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही। जबकि एनएसओ ने इस अवधि में सात प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। तिमाही आधार पर भी जीडीपी के आंकड़े तेजी दशार्ते हैं। आर्थिक गतिविधियों के एक प्रमुख मापक परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआइ का पैमाना भी तेज वृद्धि के रुझान दिखाता है। सेवा क्षेत्र में पीएमआइ का अद्यतन आंकड़ा 60 से ऊपर तो विनिर्माण में 58 का रहा। पीएमआइ का 50 से ऊपर का आंकड़ा बहुत अच्छा माना जाता है। इन सभी पहलुओं के आधार पर ही भारत विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर्ज करने में सफल रहा है। चालू वित्त वर्ष की शुरूआत भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपेक्षाकृत बेहतर रही है। इस बीच कई कठिनाइयां दूर होती दिखी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुछ आवश्यक वस्तुओं के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए थे।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी की दो दिन तक चली बैठक के बाद गुरुवार को केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखने का फैसला किया है। इससे ईएमआइ घटने की उम्मीदें फिलहाल भले ही टूट गई हों, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में लोगों के लिए यही बहुत बड़ी राहत कही जा सकती है कि मासिक किस्तें अभी और नहीं बढ़ने वालीं। पिछले कुछ समय के दौरान महंगाई के मोर्चे पर मिली राहत से आरबीआइ ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी न करना ही उचित समझा। इस लिहाज से उसका यह रुख अपेक्षा के अनुरूप ही रहा। हालांकि, महंगाई को लेकर जोखिम अभी भी बने हुए हैं और रिजर्व बैंक भी इनसे भलीभांति वाकिफ है। फिर भी, इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जहां दुनिया भर में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है, वहीं भारत में इस रुझान में कुछ स्थायित्व आया है। हाल के दौर में आर्थिक परिदृश्य पर और भी कई सकारात्मक संकेत सुकून देने वाले रहे। वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के आंकड़ों ने उम्मीद से कहीं बेहतर तस्वीर दिखाई। इस दौरान जीडीपी वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही। जबकि एनएसओ ने इस अवधि में सात प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। तिमाही आधार पर भी जीडीपी के आंकड़े तेजी दशार्ते हैं। आर्थिक गतिविधियों के एक प्रमुख मापक परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआइ का पैमाना भी तेज वृद्धि के रुझान दिखाता है। सेवा क्षेत्र में पीएमआइ का अद्यतन आंकड़ा 60 से ऊपर तो विनिर्माण में 58 का रहा। पीएमआइ का 50 से ऊपर का आंकड़ा बहुत अच्छा

माना जाता है। इन सभी पहलुओं के आधार पर ही भारत विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर्ज करने में सफल रहा है। चालू वित्त वर्ष की शुरूआत भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपेक्षाकृत बेहतर रही है। इस बीच कई कठिनाइयां दूर होती दिखी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुछ आवश्यक वस्तुओं के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए थे। युद्ध के अनिश्चित दौर में दाखिल होने से इन वस्तुओं के संदर्भ में आर्थिक समीकरण बिगड़ते दिख रहे थे, लेकिन अच्छी बात है कि विश्व ने इस परिस्थिति से तालमेल बिठा लिया है। ऊर्जा संसाधनों से लेकर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में आया स्थायित्व इसका संकेत कर रहा है। भारत के लिए भी आयात बिल पर इसके सकारात्मक परिणाम होंगे, जिससे चालू खाता घाटे की समस्या का कुछ हद तक समाधान निकलेगा। बीते वित्त वर्ष में कोविड के बाद पहली बार कई क्षेत्रों में सुधार भी देखने को मिला। कोविड प्रतिबंध हटने के बाद विशेष रूप से होटल, रेस्टोरेंट और विमानन क्षेत्र में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। कृषि से लेकर कंस्ट्रक्शन जैसे बड़े रोजगार प्रदाता क्षेत्रों का भी बढ़िया प्रदर्शन देखने को मिला। घरेलू मांग विशेषकर शहरी क्षेत्र में उपभोग का स्तर सुधरा है। ऐसी अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद कुछ कड़ी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। अमेरिका और यूरोप में इस समय आर्थिकी भले ही ठीकठाक प्रदर्शन कर रही हो, लेकिन आने वाले समय में वहां आर्थिक मंदी की स्थिति को नकारा नहीं जा सकता। यदि इन बाजारों में मंदी ने दस्तक दी तो देश से होने वाले निर्यात पर भी उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि भारत में विनिर्मित वस्तु निर्यात का करीब 35 प्रतिशत इन्हीं देशों को होता है। पश्चिमी देशों में मंदी का केवल निर्यात ही नहीं, बल्कि देश में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआइ पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। पिछले वित्त वर्ष में एफडीआइ में कमी इसका संकेत करती है और यदि यह कमी चालू वित्त वर्ष में भी जारी रहती है तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अंकटाड से लेकर ओईसीडी की रिपोर्ट इस दिशा में काफी कुछ कहती हैं। इसके बावजूद भारत जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में ठीकठाक एफडीआइ प्राप्त करने वाले देशों में ऊपरी पायदान पर बना रहेगा। इस समय विश्व की दिग्गज कंपनियां चीन से इतर अन्य किसी देश में अपनी वैकल्पिक विनिर्माण गतिविधियों को संचालित करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। इसमें भारत भी एक प्रमुख दावेदार है, लेकिन इस मामले में एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनने के लिए भारत को कई पहलुओं को दुरुस्त करना होगा। इससे न केवल देश में विदेशी निवेश की राह खुलेगी, बल्कि विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही रोजगार सृजन एवं निर्यात में भी तेजी आएगी। मोबाइल हैंडसेट विनिर्माण इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां बड़े पैमाने पर देश से निर्यात होना शुरू हुआ है। हालांकि, इसमें मुख्य रूप से अभी तक असेंबलिंग ही होती है, जिसके लिए भारी संख्या में कलपुर्जे कई देशों से आयात किए जाते हैं तो निर्यात का लाभ लगभग बराबर हो जाता है। इसलिए ह्यचीन प्लस वनह्व की वैश्विक रणनीति में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभारने की राह में आने वाले अवरोधों को अविलंब दूर करना आवश्यक है। पिछले दो महीनों के दौरान महंगाई से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन उससे जुड़े हुए जोखिम अभी भी कायम है। मानसून सामान्य रहने के पूवार्नुमान के बावजूद अल नीनो की आशंका बनी हुई है, जिससे वर्षा की प्रकृति एवं वितरण के प्रभावित होने की आशंका है। चिंता केवल मानसून तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से उपजने वाली प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं से भी मौसम के बारे में आकलन लगाना बहुत कठिन एवं अनिश्चित हो गया है। ऐसे में यदि अल नीनो और अन्य मौसमी परिघटनाओं का असर कुछ ज्यादा ही दिखा तो कृषि उत्पादन पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। पिछले कुछ समय से लगातार मेहरबान रहे मानसून और कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के बावजूद अनाज भंडारों पर दबाव पहले से ही चिंता की घंटी बजा रहा है। यदि इन सभी पहलुओ का ध्यान रखते हुए इस समय निवेश और उपभोग बढ़ाने की दिशा में कुछ प्रयास किए जाएं तो तेज आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं और मजबूत हो सकती हैं।

(लेखक क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री हैं)

नैतिकता पर दोहरे मानदंडों का परिचय

पिछले दिनों कोर्ट के दो फैसलों ने देश का ध्यान खींचा। एक फैसला यह था कि एक मां ने अपने शरीर के ऊपरी हिस्सों को अपने दो नाबालिग बच्चों को पेंट करने की अनुमति दी। 2018 में इसका वीडियो भी वायरल हुआ। लोगों ने इसे अश्लील करार दिया। पुलिस ने केस दर्ज किया। महिला के खिलाफ पाक्सो एक्ट और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत धाराएं भी लगाई गईं, लेकिन अब केरल हाई कोर्ट ने यह कहते हुए महिला को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया कि नग्नता का मतलब हमेशा अश्लीलता नहीं होता। नैतिकता और कानून दो अलग बातें हैं। कोई किसी बात को नैतिक मानता है तो कई बार कानून उसे अपराध मान सकता है। मीडिया की बहसों में यह बात भी सामने आई कि यदि पुरुष अपने शरीर पर सिक्स पैक एब्स या मसल्स दिखा सकते हैं, कहीं भी टैटू गुदवा सकते हैं, तो आखिर महिलाएं अपने शरीर को पेंट क्यों नहीं करा सकतीं? उन्हें भी यह चुनने का अधिकार होना चाहिए कि वे अपने शरीर को कितना ढकना चाहती हैं और कितना उघाड़ना? जिस दूसरे फैसले ने लोगों का ध्यान खींचा, उसमें मुंबई की एक कंपनी में काम करने वाले दो कर्मचारियों को कोर्ट ने इसलिए जमानत देने से इन्कार कर दिया, क्योंकि उन्होंने अपने साथ काम करने वाली महिला से कहा था कि उसका फिगर अच्छा है और उसने काफी मेन्टेन कर रखा है। अदालत ने इसे यौन उत्पीड़न माना। है न मजेदार कि एक तरफ तो अपने शरीर को नग्न दिखाना भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में आता है। वहां ज्ञान दिया जा रहा है कि नग्नता, अश्लीलता नहीं है। जो किसी को अश्लील लग रहा है, जरूरी नहीं कि वह अश्लील ही हो। इस मामले में मूर्ति शिल्प के तमाम उदाहरण पेश कर दिए जाते हैं और चूंकि अपने शरीर को महिला ने अपने ही बेटों से पेंट कराया था और शरीर उसका है और च्वाइस भी उसी की, तो इसमें कुछ बुरा नहीं है। दूसरी तरफ दफ्तर में बातचीत में कोई सहकर्मी अपनी महिला साथी से यह कह भर दे कि उसका फिगर बहुत अच्छा है, उसने काफी मेन्टेन कर रखा है तो यह यौन उत्पीड़न हुआ। क्यों भला? क्या सिर्फ इसलिए कि यह बात साथ काम करने वाले पुरुषों ने कही? अगर कोई स्त्री ऐसा कहती तो भी क्या कोर्ट इसे अपराध मानता या कि सारे अपराध की जड़ सिर्फ पुरुषों के ही कहने में है? महिलाओं की मर्जी की तानाशाही हर एक पुरुष के सिर पर बिना अपराध के भी क्यों लदी हुई है? आखिर कौन सी महिला है, जो यह सुनना चाहेगी कि वह मोटी है, अनाकर्षक है, सुंदर-सेक्सी नहीं है। कल जो शब्द हम सार्वजनिक जीवन में बोलने से भी कतराते थे, आज फिल्मों, धारावाहिकों और इंटरनेट मीडिया ने उन्हें आम चलन की भाषा में इतना अधिक ला दिया है कि अब वे बुरे नहीं लगते। ऐसे में इन शब्दों के प्रयोग से किसी को अपराधी मान लेना भी जायज नहीं है। एक तरफ नग्नता भी क्षम्य है, वह भी अपने बच्चों के सामने, दूसरी तरफ अदालत की नजर में अपनी किसी साथी की तारीफ करना भी यौन उत्पीड़न है। क्या अदालतों को विवाह के बाजार का नहीं पता? जहां सौ में से सौ बार सुंदर और कमनीय स्त्रियां ही चाहिए। सांवली और मोटी हर्गिज नहीं चाहिए। यदि लड़का और उसके परिवार के लोग लड़की को देखने आएं और ऐसा ही कुछ कह दिया जाए तो क्या उन्हें भी सेक्सुअल हैरसमेंट का दोषी माना जाएगा? उन्हें भी सजा होगी या परंपरा के नाम पर इस पर कोई चर्चा नहीं होगी, क्योंकि बताया जा रहा है कि नैतिकता और कानून दो अलग चीजें हैं। जो बात कानून के विरुद्ध है, लेकिन नैतिक मानी जाती है, उसे समाज के तमाम क्रियाकलापों में चलन में रहना चाहिए या नहीं? यदि एक बात एक जगह सही है, तो उसे दूसरी जगह यानी कानून में क्यों गलत माना जाएगा? इससे तो समाज का ताना-बाना ही तहस-नहस हो जाएगा। मान लीजिए कि कोई किसी बात को अपनी नैतिकता के अनुसार ठीक मानता है और उसी तरह आचरण करता है, लेकिन कानून उसे सही नहीं मानता तो कानून उसे सजा भी कैसे दे सकता है? ये दो विरोधाभासी बातें क्यों? यदि अच्छे फिगर और ठीक से मेन्टेन करने की बात गलत है, तो पहले तो उन सभी ब्यूटी प्रोडक्ट्स और उन विज्ञापनों को प्रतिबंधित करना चाहिए, जो बारंबार औरतों को अपनी सेक्सी छवि बनाने के लिए उकसाते हैं। क्रीम का वह विज्ञापन भी कि इस क्रीम से तो उनकी उम्र का पता ही नहीं चलता। हेयर कलर के वे विज्ञापन जहां कोई सफेद बाल देखकर आंटी बोलता है और काले बाल होते ही दीदी कहने लगता है। जूते और कपड़े जो महिलाओं का बदन दिखाते हैं, वे भी क्यों प्रतिबंधित नहीं होने चाहिए? वहां सब अपनी च्वाइस का मामला ले आते हैं। इसके अलावा 36-24-36 का फिगर और जीरो फिगर क्या महिलाएं ताले में बंद रखने के लिए बनाती हैं? मशहूर हीरोइन ऐसा कहते हुए पाई जाती हैं कि उनके फिगर और कम उम्र का दिखने के कारण लोग उन्हें बहुत पसंद करते हैं। अगर वे दर्शकों में सेक्सी भावना जगा सकती हैं तो यही उनकी सफलता है। इस पर उन्हें गर्व है। कौन है जो अपनी फिल्मों में किसी मोटी स्त्री को हीरोइन का रोल देता है? कहानी की मांग हो या हंसाना, तभी मोटी स्त्री उपयोगी मानी जाती है। और जो ये गाने लिखे जाते हैं ह्यसेक्सी- सेक्सी मुझे लोग बोलेंह्व या तमाम द्विअर्थी गाने, जिनके मायने सेक्सी बोलने से भी ज्यादा वीभत्स हैं, उन्हें क्यों नहीं रोका जाता?

Social Media Corner

सच के हक में...

गरीब, वंचित और शोषित समाज के लिए हमेशा संघर्ष करने वाले, सामाजिक न्याय के पुरोधा, राजद सुप्रीमो आदरणीय श्री लालू प्रसाद यादव जी को जन्मदिवस की अनेक-अनेक शुभकामनाएं और जोहार। परमात्मा आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु प्रदान करे, यही कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

कभी-कभी सोचता हूं कि महज अगर केंद्रीय एंजेसियों ने झारखंड में करप्शन का कचरा सफाई अभियान नहीं चलाया होता तो सोरेन परिवार का ये एक्सीडेंटल राजकुमार हेमंत सोरेन राज्य की और कितनी बबार्दी और बदनामी करवाता? दुर्गा सोरेन जी की असामयिक मौत नहीं हुई होती तो आज सोरेन परिवार का उत्तराधिकारी कौन होता? क्या दुर्गा जी के जीवित रहते शीबू सोरेन अपनी विरासत/सल्तनत हेमंत जैसे अयोग्य, अहंकारी, तानाशाह के हॉथ में सौंपने के बारे में सपने में भी सोचते जिसने झारखंड को नरक बना के रख दिया है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

कनाडा की जवाबदेही

यूं तो कनाडा की धरती से भारत विरोधी गतिविधियों की खबरें अक्सर आती रहती हैं लेकिन बीते सप्ताह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकालने की घटना ने सभी हदें पार कर दी। जो बताती है कि कनाडा में भारत विरोधी पृथकतावादियों के हौसले कितने बुलंद हैं और उन्हें सत्ता में शामिल लोगों का संरक्षण मिला हुआ है। चार जून को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर भारतीय राष्ट्रवादी उद्वेलित हुआ है। जिसके चलते भारत सरकार ने भी घटना का कड़ा प्रतिवाद किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कड़े शब्दों में कहा है कि ये घटना न तो भारत-कनाडा संबंधों के लिये और न ही कनाडा के लिये ठीक है। यूं तो कहने के लिये भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैक ने इस घटना की निंदा की है, और कहा है कि उनके देश में हिंसा व नफरत के महिमामंडन के लिये कोई स्थान नहीं है। लेकिन वहीं कनाडा सरकार के एक मंत्री ने भारत पर उसके अंदरूनी मामलों में दखल देने का कुतर्क दोहराया है। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथकतावाद और हिंसा की तपिश का ताप देर-सवेर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। दुनिया के कई देशों ने ऐसे कृत्यों को संरक्षण की कालांतर कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरानों को जितनी जल्दी हो सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगाववादियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि कभी वे पृथक देश के मुद्दे पर जनमत संग्रह की बात करते हैं, कभी भारतीय उच्चायोग को घेरते हैं, भारतीयों पर हमले करते तो कभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। जिसको देखकर भी कनाडा सरकार चुप्पी साध लेती है। दरअसल, अलगाववादी उस स्याह सच पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी बड़ी कीमत पंजाब ने चुकायी है। बड़ी कुबार्नी देकर पंजाब आज शांत माहौल में प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है। निस्संदेह, ऐसा भी नहीं है कि कनाडा में रहने वाले सारे भारतीय मूल के लोग अलगाववाद के पक्षधर हैं। आज कनाडा विकास के जो नये मानक स्थापित कर रहा है उसमें पंजाब के लोगों का बड़ा योगदान है। लेकिन सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच स्पष्ट विभाजन जरूरी है। विडंबना यह है कि वोट बैंक की पॉलिटिक्स के चलते कनाडा सरकार चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने से गुरेज कर रही है। दरअसल, पंजाब मूल के लोगों के वर्चस्व वाले एक राजनीतिक दल का ट्रूडो सरकार की बैशाखी होना भी इस तरह की घटनाओं के प्रति वहां सरकार की अनदेखी की एक वजह है। इस दल में भी अलगाववादियों का दबदबा बताया जाता है। जाहिर है जब तक भारत कनाडा सरकार पर कूटनीतिक दबाव नहीं बनायेगा तब तक इन बेलगाम हरकतों पर काबू पाना मुश्किल होगा, तब तक ब्रैंपटन शहर जैसी परेड की घटनाएं दोहरायी जाती रहेंगी। जो किसी भी सभ्य समाज को परेशान करती रहेंगी। इतना ही नहीं कनाडा की धरती से जो भारत विरोधी गतिविधियों व अपराध का संचालन हो रहा है उसे रोकने के लिये भी केंद्र सरकार को सजग रहना होगा। वहीं दूसरी ओर कनाडा में पढ़ने गये सात सौ के करीब छात्रों के भविष्य को लेकर उठ रहे सवाल भी परेशान करने वाले हैं। एजेंटों की धोखाधड़ी से कनाडा गये ये छात्र पढ़ाई के बाद कनाडा में नौकरी भी कर रहे हैं। लेकिन जब उन्होंने स्थायी नागरिकता के लिये आवेदन किया तो पाया गया कि उनके कागज जाली थे। जिसके चलते कनाडा सरकार उन्हें वापस भारत भेजने का प्रयास कर रही है। जिसके खिलाफ ये छात्र आंदोलनरत हैं और इसकी सरगर्मी पंजाब में भी दिखायी दे रही है। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री ने मामले के न्यायसंगत समाधान का वायदा किया है लेकिन इन छात्रों के भविष्य पर तलवार तो लटक ही रही है।

डायबिटीज की चुनौती

डायबिटीज अब गंभीर समस्या बन चुकी है। देश में तेजी से डायबिटीज के मरीज बढ़ रहे हैं। हाल ही में आए ताजा आंकड़ों ने और चिंता बढ़ा दी है। डायबिटीज को लेकर आई आईसीएमआर की ताजा स्टडी को एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या को लेकर आए ताजा आंकड़े निश्चित रूप से चौंकाने वाले हैं, लेकिन इन्हें चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। जाने-माने हेल्थ जर्नल लांसेट में प्रकाशित इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की ताजा स्टडी के मुताबिक देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10 करोड़ से ऊपर हो गई है। हैरानी की बात यह है कि पिछले चार साल के अंदर इसमें 44 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जो बात इन आंकड़ों को ज्यादा गंभीर बनाती है वह यह भी है कि प्री-डायबिटीज मामलों की संख्या भी कम नहीं है। ताजा सर्वे के मुताबिक अगर देश की 11.4 फीसदी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है तो 15.3 फीसदी लोग प्री-डायबिटीज श्रेणी में हैं। प्री-डायबिटीज कैटिगरी में उन लोगों को रखा जाता है जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य से ज्यादा होता है, लेकिन इतना ऊपर नहीं होता कि टाइप-2 डायबिटीज की कैटिगरी में शामिल किया जा सके। ये ऐसे लोग होते हैं जिनके डायबिटिक होने का अंदेशा रहता है। प्री-डायबिटीज का कोई मामला डायबिटीज में शामिल होगा या नहीं और होगा तो कितने समय में, इसे लेकर निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन एक्सपर्ट्स आम तौर पर मानते हैं कि ऐसे एक तिहाई मामले डायबिटीज में तब्दील हो जाते हैं। दूसरे एक तिहाई मामले प्री-डायबिटीज कैटिगरी में ही बने रहते हैं जबकि आखिरी एक तिहाई जीवनशैली में बदलाव और ऐसे अन्य उपायों से बेहतर होकर नॉर्मल स्थिति में लौट जाते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

भारतीय टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना फिर टूटा, ऑस्ट्रेलिया बनी डब्ल्यूटीसी विजेता

लंदन। (एजेंसी)। भारतीय टीम का आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल जीतने का सपना फिर टूट गया है। द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने इस महामुकाबले में भारतीय टीम को 209 रन से हराकर ट्रॉफी पर अपना कब्जा कर लिया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 444 रन का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 234 रनों पर ही सिमट गयी। यह दूसरी बार है जब भारतीय टीम खिताबी मुकाबले में हारी है। इससे पहले साल 2021 में उसे न्यूजीलैंड ने फाइनल में हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में टिक नहीं पायी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी 8 विकेट पर 270 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 164 रन बना लिए थे। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अजिंक्य रहाणे 20 और विराट कोहली 44 रनों पर खेल रहे थे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा 43 रन, शुभमन गिल 18 और चेतेश्वर पुजारा 27 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। शुभमन के कैच पर विवाद उठा पर अंत में अंपायर ने उन्हें आउट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, नाथन लियोन और स्कॉट बोलैंड ने 1-1 विकेट लिए। अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए से 280 रन चाहिये थे जबकि उसके पास सात विके थे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 469 रन बनाये थे जबकि भारतीय टीम ने 296 रन बनाये थे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी के आधार पर 173 रनों की बढ़त मिली हुई थी। इसका भी उसे लाभ मिला जिससे उसने भारतीय टीम पर दबाव बना दिया।

भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मुकाबले के अंतिम दिन आधे दिन भी मैच में नहीं टिक सके जबकि भारतीय टीम को केवल 280 रनों की जरुरत थी और भारतीय टीम के पास सात विकेट थे। मगर भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। पांचवे दिन का खेल शुरू होने पर भारतीय टीम के लिए क्रीज पर विराट और रहाणे मौजूद थे। दोनों से उम्मीद थी की लंबे समय तक ये क्रीज पर रहे मगर ऐसा हो नहीं सका। विराट अपना अर्धशतक पूरा करने से एक रन पहले ही आउट हो गए। 47वें ओवर की तीसरी गेंद पर बोलैंड ने उन्हें शिकार बनाया। कोहली ने 78 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 49 रन बनाए। विराट और रहाणे के बीच चौथे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई। कोहली के बाद अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने भी निराश किया वह भी दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले ही वो पवेलियन लौटे। वो एलेक्स कैरी के हाथों कैच थमा बैठे। इसी के साथ भारत की आधी टीम पवेलियन लौट गई और स्थिति काफी खराब हुई। इसके बाद रहाणे मौजूद थे उन्होंने केएस भरत के साथ मिलकर पारी संभालने का प्रयास किया पर वह भी 108 गेंदों में 46 रनों का स्कोर बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारतीय टीम अपने आप को संभाल नहीं सकी और एक के बाद एक बल्लेबाज पेवेलियन लौटते गये।

आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बनी ऑस्ट्रेलिया

इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहली टीम बन गई है जिसके पास आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी कब्जे में करने की उपलब्धि है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली टीम है जिसने आसीसी वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी भी जीत ली है।

भारतीय टीम का आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार और बढ़ा

वहीं भारतीय टीम 10 वर्षों से आईसीसी की किसी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं कर सकी है। वहीं इस हार के साथ भारत का सूखा और अधिक समय के लिए बढ़ गया है।

भारत की हार के ये कारण रहे

बल्लेबाज नाकाम रहे : भारतीय बल्लेबाजों में केवल अजिंक्य रहाणे ही ऑस्ट्रेलिया का सामना कर पाये जबकि अन्य विफल् रहे। रहाणे ने पहली पारी में 89 तो दूसरी पारी में 46 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच पाया।

वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल दो बल्लेबाज ही भारतीय टीम पर भारी पड़ गये। उसने पहली पारी में 469 रन बनाए, जिसमें स्मिथ के 121 जबकि ट्रेविस हेड के 163 रन शामिल रहे। इन दोनों ने मिलकर ही पहली पारी में 284 रन बना दिए। इनपर अंकुल लगाने में भारतीय गेंदबाजों की विफलता भी हार का एक कारण रही।

इसके अलावा भारत की हार का एक कारण ईशान किशन और आर अश्विन को बाहर रखना भी है। विकेटकीपर के रूप में टीम श्रीकर भरत ने अच्छा प्रदर्शन किया पर वह अधिक रन नहीं बना पाये। वहीं ईशान में तेजी से रन बनाने की क्षमा है। वहीं ऑफ स्पिनर अश्विन बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ प्रभावी रहते पर उन्हें भी टीमें जगह नहीं मिली।

स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार फ्रेंच ओपन जीता

-फाइनल में मुकोवा को हराया

पेरिस(एजेंसी)। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार फ्रेंच ओपन टेनिस का महिला एकल खिताब जीता है। स्वियातेक ने फाइनल में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराया। ये मुकाबला करीब 45 मिनट तक चला। इसमें पहला सेट हारने के बाद मुकोवा ने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की पर स्वियातेक ने तीसरा सेट जीतकर खिताब पर कब्जा कर दिया। इस जीत के साथ ही स्वियातेक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई हैं। यह पोलिस खिलाड़ी के करियर का तीसरा रोलां गैरो और कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इस खिलाड़ी ने पिछले साल अमेरिकी ओपन भी जीता था। इसी के साथ ही अब 22 साल की उम्र में स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं।

स्वियातेक ने जीत के बाद कहा, सबसे पहले कैरोलीना को शुभकामनाएं। मैं जानती थी कि यह मुश्किल मैच होने वाला है। मैं उम्मीद करती हूं कि हम एक दूसरे के खिलाफ और फाइनल खेलेंगे। आपकी टीम को भी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, मैं अपनी टीम को बधाई देती हूं क्योंकि भले ही यह अकेले खिलाड़ी का खेल है, लेकिन टीम के बिना कुछ संभव नहीं हो सकता। आपके बिना मैं यहां नहीं पहुंच सकती थी। मेरे परिवार को शुभकामनाएं।

वहीं दूसरी ओर, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा के लिये भी यह एक यादगार अभियान रहा। यह किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के सेमीफाइनल तक सफर किया था। मुकोवा ने कहा, मैं और मेरी टीम तीन सप्ताह से पेरिस में है। यह शानदार अनुभव रहा है। यह बहुत करीबी मुकाबला था लेकिन जब आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हैं तो ऐसा होता है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में नीदरलैंड से हारी भारतीय टीम

आइंडहोवन । नीदरलैंड के साथ यहां हुए एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इस रोमांचक मैच में पूरा जोर लगाया पर इसके बाद भी उसे नीदरलैंड के हाथों 2-3 से हार झेलनी पड़ी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से डुको तेलजेनकैंप ने सातवें सातवां मिनट, बोरिस बुकहार्ट ने 41 वें मिनट , त्जेप होडमेकर्स ने 43 वें मिनट में गोल किए। वहीं भारत की ओर से जबकि संजय ने 18 वें और गुरजंत सिंह ने 46 वें मिनट में गोल किये। नीदरलैंड ने इसी के साथ ही भारतीय टीम की खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इससे पहले नीदरलैंड दौरे के पहले मैच में भी भारतीय टीम को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भी हालांकि भारतीय टीम प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

भारतीय टीम ने पहली बार जूनियर महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता

काकामिगहारा(एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहली बार जूनियर महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता है। भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई टीम को फाइनल में 2-1 से हराकर यह अहम उपलब्धि अपने नाम की है। भारतीय टीम की इस जीत में अन्नू और नीलम की अहम भूमिका रही। अन्नू ने 22वें मिनट और नीलम ने 41 वें मिनट में ये गोल किये। वहीं दक्षिण कोरिया की की ओर से एकमात्र गोल सियोओन पाकर ने 25 वें मिनट में किया। एक दशक के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय लड़कियों ने इस मैच में

आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर में दोनो ही टीमें गोल नहीं कर पायीं। वहीं कोरिया को दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही दो पेनाल्टी कार्नर मिले पर वह गोल नहीं कर पायी। भारत की ओर से 21वें मिनट में अन्नू ने पेनल्टी स्ट्रोक से गोल कर भारतीय टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद कोरियाई टीम ने बराबरी के प्रयास शुरु कर दिये। मैच के 25वें मिनट में सियोओन ने एक ने गोल कर कोरियाई टीम को बराबरी पर ला दिया। तीसरे क्वार्टर में नीलम ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने के साथ ही भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद भी भारतीय टीम को गोल करने के अवसर मिले पर वह सफल नहीं हो पायी।

डी विलियर्स के ट्वीट पर भड़के भारतीय प्रशंसक

लंदन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डी विलियर्स के विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डब्लूयटीसी) फाइनल को लेकर किये एक ट्वीट पर भारतीय प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने कहा कि विलियर्स इस मामले में अपनी सलाह अपने पास ही रखें। डी विलियर्स के ट्वीट पर प्रशंसक इसलिए नाराज हुए क्योंकि अधिकांश समय परिणाम उनकी सलाह के विपरीत आया है। प्रशंसकों के अनुसार डी विलियर्स के ट्वीट भारतीय टीम और विराट कोहली के लिए शुभ साबित नहीं हुए हैं। इससे पहले टी20 विश्व कप, एशिया कप और आईपीएल के अलावा कई अहम अवसरों पर डी विलियर्स ने भारत और विराट के पक्ष में ट्वीट किए थे पर अधिकतर उनके ट्वीट गलत निकले। इसी कारण प्रशंसकों ने उन्हें इस बार शांत रहने को कहा है। डिविलियर्स ने लिखा अगर 5वें दिन भारतीय बल्लेबाज स्पिनर नाथन लायन को खेल लेते है और दूसरी नई गेंद आने तक टीम एक ही विकेट गंवाती है तो नहीं कह सकते कि क्या हो सकता है।

सबसे अधिक छक्के लगाने में सचिन से आगे निकले रोहित

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में 444 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में विफल रहे हैं। रोहित ने केवल 43 रन ही बनाये, वहीं पहली पारी में भी वह 15 रनों पर ही आउट हो गये थे। रोहित ने अपनी 43 रन रनों की पारी में चार चौके व एक छक्का लगाया। रोहित ने दूसरी पारी के दौरान एक छक्का लगाने के साथ ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के टेस्ट में सबसे अधिक छक्के लगाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। रोहित का यह 50वां टेस्ट मैच था। उन्होंने अभी तक 70 छक्के लगाये हैं। इसी के साथ उन्होंने सचिन को पीछे छोड़ दिया है।सचिन अब सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में चौथे स्थान पर आ गये हैं, उनके नाम 69 छक्के हैं। वहीं इस मामले में पहले नंबर पर वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग के नाम पर कुल 90 छक्के हैं जबकि दूसरे नंबर महेन्द्र सिहं धोनी के 78 छक्के हैं। टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक 90 छक्के का रिकार्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम है। वहीं 78 छक्के लगाकर धोनी दूसरे जबकि 70 छक्के लगाकर रोहित अब तीसरे नंबर पर आ गये है। 69 छक्के के साथ ही सचिन तेंदुलकर चौथे नंबर पर हैं। इसके अलावा रोहित ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 13 हजार रन भी पूरे किये हैं। मैच में अपना 27 वां रन बनाने के साथ ही उन्होंने ये रिकार्ड भी बना लिया।

बजरंग और साक्षी बोले, 15 जून तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं हुई तो फिर करेंगे विरोध प्रदर्शन

-शिकायतकर्ताओं पर बयान बदलने के लिए बढ़ता जा रहा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने कहा है कि अगर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की 15 जून तक गिरफ्तारी नहीं होती है तो वे फिर से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। साथ ही आरोप लगाया कि नाबालिग पहलवान के पिता पर दबाव डाला गया था और इसी कारण उसने अपना बयान बदला है। इससे पहले केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में ही पहलवानों ने अपने विरोध प्रदर्शन को 15 जून तक के लिए निलंबित कर दिया था। मुलाकात के दौरान खेलमंत्री ने पहलवानों को आश्वासन दिया था कि पुलिस 15 जून तक बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों में चार्जशीट दायर करेगी।

अब बजरंग ने कहा कि अगर सरकार 15 जून तक बृजभूषण को गिरफ्तार करने में असफल रहती है, तो हम 17 जून से अपना विरोध फिर से शुरू करेंगे। यह विरोध जंतर मंतर से ही शुरू होगा। बजरंग ने कहा कि शिकायतकर्ताओं पर बयान बदलने का भारी दबाव है। ऐसे में बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के बाद ही पहलवानों को न्याय मिल पायेगा क्योंकि बाहर रहते हुए वह जांच को प्रभावित कर रहा था। बजरंग ने कहा कि उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए एक मजबूत चार्जशीट की जरूरत है। साथ ही कहा कि शिकायतकर्ताओं को धमकी भरे फोन आ रहे हैं। वे डरे हुए हैं और सदमे में हैं।

पहलवान ने कहा कि अगर बृजभूषण को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार नहीं किया, तो जिस प्रकार नाबालिग पहलवान ने अपना बयान बदला उसी प्रकार 6 अन्य शिकायतकर्ताओं पर भी अपना बयान बदलने के लिए दबाव बढ़ जाएगा। बजरंग ने कहा कि नाबालिग लड़की के पिता ने पहले ही कहा था कि वे दबाव में थे। इसलिए मुझे डर है कि अन्य छह महिला पहलवानों के साथ भी ऐसा ही होगा।

वहीं साक्षी ने कहा कि हम आगामी एशियाई खेलों में तभी भाग लेंगे जब बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की पूरी जांच पूरी हो जाएगी। साक्षी ने कहा कि आप नहीं समझ सकते कि पहलवानों के लिए यह मानसिक रूप से कितना थका देने वाला हो गया है। हम हर रोज किस स्थिति से गुजर रहे हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल खिताब जीता

-मिलान को 1-0 से हराया

इस्तांबुल । मैनचेस्टर सिटी ने यहां इंटर मिलान को 1-0 से हराकर पहली बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। सिटी की इस जीत में स्पेन के रोड्री की अहम भूमिका रही। रोड्री ने ही मैच का एकमात्र विजयी गोल 68वें मिनट में किया। इसी के साथ ही सिटी को पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल का शीर्ष खिताब मिला है। टीम के मैनेजर पेप गुआर्डियोला ने टीम की खिताबी जीत के बाद कहा, 'यह किस्मत में लिखा था। यह हमारा है। टीम को चैंपियन्स लीग का खिताब जीतने में लंबा समय लगा है। गुआर्डियोला की टीम के लिए यह अंतिम मोर्चा था। टीम ने मौजूदा सत्र में प्रीमियर लीग और एफए कप के खिताब जीतने के बाद से ही अपना तीसरा खिताब जीता है। इस खिताबी जीत से गुआर्डियोला का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ कोच होने का दावा भी पक्का हुआ है। यह उनका तीसरा चैंपियन्स लीग खिताब और कुल 30वां बड़ा खिताब है। गुआर्डियोला ने दूसरी बार सत्र में खिताबी हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले साल 2009 में वह बार्सीलोना के साथ जीते हैं। सिटी इंग्लैंड का दूसरा क्लब है जिसने एक ही सत्र में तीन बड़े खिताब जीते हैं। मैनचेस्टर यूनाईटेड ने इससे पहले 2009 में यह कारनामा किया था। वहीं इंटर मिलान को मुकाबले में एक अच्छा अवसर मिला था पर स्थानापन्न खिलाड़ी रोमेलु लुकालु 89वें मिनट में गोल नहीं दाग पाये। वहीं इंटर के कोच साइमन इंजागी ने कहा, 'हम हारने के हकदार नहीं थे। हम शीर्ष टीम के खिलाफ शानदार तरीके से खेले।

मेरी गेंदबाजी में आक्रामकता बहुत जरुरी, इससे ही सफलता मिलती : सिराज

लंदन (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का मानना है कि आक्रामक रवैये से उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिलती है। सिराज ने कहा कि इस आक्रामक रवैया के कारण ही उन्हें ये सफलता मिली है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में पदार्पण करने के बाद सिराज खेल के लंबे प्रारूप में भारत के शीर्ष गेंदबाज रहे है। तेज गेंदबाज ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में टीम के सबसे बेहतर गेंदबाज रहे है। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में डेविड वार्नर को आउट किया।

सिराज ने कहा, मेरी गेंदबाजी में आक्रामकता बहुत जरुरी है। टेस्ट क्रिकेट आक्रामकता पर आधारित है। यह केवल साधारण गेंद फेंकने और बिना प्रभाव छोड़े बिना जाने के बारे में नहीं है। उन्होंने कहा, जब मैं आक्रामकता के साथ गेंदबाजी करता हूं, तब मैं अपने शरीर को व्यस्त रखता हूं। कुछ गेंदबाज आक्रामक रवैया अपनाने के बाद सही गेंदबाजी नहीं कर पाते है लेकिन इसके विपरीत मेरी गेंदबाजी सटीक होती है। तेज गेंदबाज ने कहा, जितनी अधिक आक्रामकता का इस्तेमाल मैं अपने खेल में करता हूं, मुझे उतनी अधिक सफलता मिलती है। मुझे आक्रामकता के साथ खेलने में बहुत मजा आता है।

एशिया कप 2023 के लिए एसीसी कर सकती है पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के 'हाइब्रिड मॉडल' को स्वीकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह की अगुआई वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के भारत की गैरमौजूदगी वाले चार एशिया कप मुकाबलों का आयोजन पाकिस्तान जबकि बाकी मुकाबलों का आयोजन श्रीलंका के गॉल और पाल्लेकल में कराने के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के 'हाइब्रिड मॉडल' को स्वीकृति देने की संभावना है।

एसीसी के इस संबंध में मंगलवार को औपचारिक घोषणा करने की उम्मीद है और हाइब्रिड मॉडल के आधिकारिक रूप से स्वीकृत होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए आने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। पाकिस्तान को अब अहमदाबाद में खेलने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

एसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''ओमान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख पंकज खीमजी, एसीसी कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, को हल निकालने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी क्योंकि अधिकांश देश हाइब्रिड मॉडल नहीं चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अभी की स्थिति के अनुसार भारत की गैरमौजूदगी वाले चार मैच- पाकिस्तान बनाम नेपाल, बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान, अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम बांग्लादेश- लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होंगे।'' उन्होंने कहा, ''भारत और पाकिस्तान के बीच दो मुकाबले और सुपर चार के बाकी सभी मैच पाल्लेकल या गॉल में होंगे।''

एशिया कप का आयोजन सितंबर में होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सीईओ ज्योफ अलार्डिस और चेयरमैन ग्रेग बार्कले पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी से मिलने कराची गए तो फैसला किया गया कि पाकिस्तान विश्व कप में जाने के लिए कोई शर्त नहीं रखेगा अगर एशिया कप के चार मैच देश में होंगे क्योंकि मेजबानी का अधिकार उसके पास है। पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट खेलने का मतलब है कि प्रसारणकर्ता टूर्नामेंट के लिए प्रतिबद्ध राशि का आधा ही भुगतान करेगा क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच में तय दो मुकाबले और दोनों के फाइनल में पहुंचने की स्थिति में तीसरा मुकाबला नहीं होगा।

यह हल सबसे व्यावहारिक नजर आता है क्योंकि इसके कारण पाकिस्तान के बिना

किसी शर्त के एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत जाने का रास्ता साफ होगा। एकदिवसीय विश्व कप का कार्यक्रम अगले हफ्ते की शुरुआत में जारी करने की उम्मीद है। भारत विश्व कप में पाकिस्तान से अहमदाबाद में भिड़ सकता है। पाकिस्तान के बाकी मुकाबले चेन्नई और हैदराबाद में हो सकते हैं।

अश्मिता, रवि ने मालदीव अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब जीता

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अश्मिता चालिहा और रवि ने माले में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए मालदीव अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में क्रमशः महिला और पुरुष एकल के खिताब जीते। तीसरी वरीय अश्मिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को ऑल इंडियन महिला एकल फाइनल में हमवतन तस्नीम मीर को 19-21, 21-17, 21-11 से हराया। असम की खिलाड़ी का यह तीसरा बीडब्ल्यूएफ अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिताब है। उन्होंने इससे पहले टाटा ओपन इंडिया इंटरनेशनल और दुबई इंटरनेशनल का भी खिताब जीता है। पुरुष एकल में गैरवरीय रवि ने मलेशिया के सातवें वरीय सूंग जू वेन को सीधे गेम में 21-19, 21-18 से हराकर खिताब अपने नाम किया। अश्विनी भट और शिखा गौतम की शीर्ष वरीय भारतीय महिला युगल जोड़ी को हालांकि लक्षिका कनलाहा और फटाइमास मुएनवोंग की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ 22-24,15-21 की हार से उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

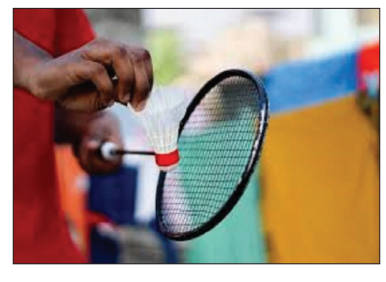

सालों से मेहनत कर रहा हूं जल्द कई प्रोजेक्ट्स में नजर आऊंगा

रणदीप हुड्डा, उर्वशी रौतेला, फ्रेडी दारूवाला और अध्ययन सुमन स्टारर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' हाल में रिलीज हुई है। नीरज पाठक निर्देशित इस सीरीज में अध्ययन सुमन ने एक पॉलिटिकल गून का रोल प्ले किया है। सीरीज के लिए 9 किलो वजन बढ़ाना पड़ा। मेरा कैरेक्टर पॉलिटिकल खानदान के गुंडे का है। पहले इसको राजगद्दी मिलने वाली थी पर बाद में इसके भाई को मिल जाती है। यह दारूबाज है, ड्रग्स लेता है और बेतहाशा स्मोकिंग करता है। यह आधे टाइम नशे में रहता है तो कुल मिलाकर यह फिजिकली फिट रहने वाला बंदा नहीं है। वजन बढ़ाना तो मेरे लिए मुश्किल नहीं था पर इसके लिए फिर से स्मोकिंग करना थोड़ा टफ था। एक टाइम पर में स्मोकर था लेकिन पांच साल पहले सिगरेट छोड़ चुका हूं। इस कैरेक्टर के लिए एक टेक में कई बार सिगरेट पीनी पड़ती थी तो बहुत तकलीफ होती थी। फेफड़े जल गए पर इस किरदार को जीवंत बनाने के लिए इतना तो करना ही था। मैंने पहले एक महीने में 9 किलो वजन बढ़ाया और फिर 12 किलो वजन घटाया। वजन बढ़ाना मेरे लिए आसान है क्योंकि मैं कुछ भी खाऊं, मेरा वजन बढ़ जाता है। हां, वजन घटाना मेरे लिए काफी तकलीफ भरा रहा। इस सीरीज के कुछ फिल्में और कई सारे वीडियो सॉन्ग शूट करने थे तो उसके लिए अब तक 12 किलो वजन घटा चुका हूं। मैंने हाल ही में बतौर एक्टर और डायरेक्टर 6 वीडियो सॉन्ग शूट किए हैं। पिछले हफ्ते इसमें से एक गाना रिलीज भी हो चुका है। इसके अलावा तीन फिल्में भी कर रहा हूं। इसमें एक थ्रिलर फिल्म 'इंट्रैप' है। इसकी कहानी एक ऐसे लड़के की है जो अपनी गर्लफ्रेंड के साथ गाड़ी की डिग्गी में फंस जाता है। यह एक अलग कॉन्सेप्ट वाली सर्वाइवल फिल्म है। दूसरी फिल्म 'कॉन मैन' है। इसकी कहानी एक ऐसे सॉफ्टवेयर इंजीनियर की है जो हैकर बनना चाहता था पर कोई उसके ही अकाउंट से सारे पैसे उड़ा देता है।

जेलर की शूटिंग खत्म करने पर तमन्ना को रजनीकांत से मिला खास तोहफा

तमन्ना भाटिया और रजनीकांत ने आखिरकार अपनी अपकमिंग सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार के रूप में पहचाने जाने वाले अभिनेता रजनीकांत की फिल्म जेलर पिछले काफी समय से मीडिया के गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है। ऐसे में शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाने के लिए निर्माताओं ने सेट पर केक काटा था, जिसकी तस्वीर सोशल

तमन्ना भाटिया भी अहम भूमिका में हैं और हाल ही में अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि जेलर की शूटिंग खत्म होने के बाद उन्हें रजनीकांत से एक खास तोहफा भी मिला है, जिसे पाकर वह बहुत खुश हैं। तमन्ना भाटिया और रजनीकांत ने आखिरकार अपनी अपकमिंग

सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह पहली बार होगा जब अभिनेत्री दिग्गज अभिनेता के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी और वह रिलीज

बातचीत के दौरान, तमन्ना भाटिया ने बताया कि कैसे वह अनुभवी अभिनेता के साथ काम करने का अवसर पाकर अपने आप को भाग्यशाली और धन्य महसूस कर रही हैं। फिल्म में रजनीकांत के साथ काम करने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए तमन्ना ने कहा, रजनीकांत सर के साथ काम करना सपने के सच होने जैसा है। जेलर के सेट पर बिताए पलों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगी। उन्होंने मुझे आध्यात्मिक यात्रा पर एक किताब भी गिफ्ट की है।

कबीर खान की अपकमिंग फिल्म पर काम शुरू

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में एक्टर के अपोजिट कियारा आडवाणी नजर आएंगी। इसी बीच कार्तिक को लेकर खबर आई है कि उन्होंने फिल्म निर्माता कबीर खान के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। इस अनटाइटल्ड एक्शन ड्रामा की शूटिंग बुधवार को फिल्म सिटी, गोरेगांव के जोकर मैदान में शुरू हुई। मूवी को लेकर कई बड़े और अहम अपडेट सामने आए हैं। रिपोर्ट की मानें तो डायरेक्टर ने 10 दिनों का शेड्यूल तैयार किया है, जिसके तहत फिल्म के एक्शन सेट-पीस को लॉक किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शूटिंग की शुरुआत कार्तिक के हाथ से हाथ मिलाने वाले सीक्वेंस के साथ हुई। शेड्यूल को इस तरह से प्लान किया गया है कि शहर में मानसून आने से पहले प्रमुख आउटडोर फाइट सीन शूट किए जाएंगे। इस फिल्म में दंगल देखने को मिलेगा। बहुत सारी अटकलों के बाद, जुलाई 2022 में फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई। यह कार्तिक और कबीर के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। फिल्म कथित तौर पर एक अज्ञात नायक के बारे में एक आकर्षक सच्ची कहानी है। फिल्म को लेकर बीते दिनों कबीर खान ने कहा था कि यह 83 के विपरीत एक ऐसे नायक की कहानी है, जिसके बारे में लोग नहीं जानते हैं।

टेलर स्विफ्ट को डेट कर रहे दिलजीत दोसांझ?

मशहूर अमेरिकी सिंगर टेलर स्विफ्ट के लिए यह वर्ष काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। लंबे समय से जो अल्विन को डेट कर रहीं सिंगर ने इस वर्ष अपना रिश्ता खत्म कर दिया। वहीं, अब स्विफ्ट से जुड़ी नई खबर ने सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है। ताजा रिपोर्ट की मानें तो, वेनक्यूवर के एक रेस्तरां में टेलर स्विफ्ट और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को एक साथ स्पॉट किया गया, जहां दोनों बेहद करीब नजर आए। सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ किसी ग्लोबल आइकन से कम नहीं हैं। वह कोचेला फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शन करने वाले पहले सेलिब्रिटी हैं। लवर, पीचेस और लेमनेड जैसे बेहतरीन गानों के जरिए दिलजीत ने दुनियाभर में अपनी फैन फॉलोइंग बनाई है। इसके अलावा उन्होंने गुड न्यूज, जोगी और हौंसला रख जैसी बेहतरीन फिल्मों में एक्टिंग का भी जलवा दिखाया है। हालांकि, टेलर स्विफ्ट बीते कुछ समय से मेट हेली के साथ रिलेशनशिप में होने की खबरों को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। इसी बीच उनकी दिलजीत दोसांझ संग नजदीकियों की खबर ने फैंस को हैरान कर दिया है। वहीं, डेटिंग की अफवाहों पर पंजाबी सिंगर ने बकायदा ट्वीट कर अपना पक्ष साफ किया है। दिलजीत दोसांझ ने ट्वीट कर लिखा है, यार प्राइवेसी नाम की भी कोई चीज होती है। दिलजीत दोसांझ और टेलर स्विफ्ट को लेकर एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों वेनक्यूवर के केक्टस क्लब कैफे कोल हारबर में क्वालिटी टाइम स्पैंड कर रहे थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दोनों साथ में हंसते-हंसते एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। सोमवार को दोनों को स्पॉट किया गया और इनकी डेटिंग की अफवाहों ने तूल पकड़ना शुरू कर दिया। दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द अमर सिंह चमकीला के किरदार में नजर आएंगे। मूवी में एक्टर के अपोजिट बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा होंगी।

बिग बॉस ओटीटी 2 में नहीं दिखेंगे सूरज पंचोली

आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली के बेटे सूरज पंचोली को आखिरकार जिया खान आत्महत्या मामले में उकसाने के आरोप में बरी कर दिया गया है। इस फैसले के आने में लगभग 10 साल का समय लग गया। सूरज एक बार फिर से अपना करियर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच हाल ही में खबर आई की सूरज बिग बॉस के नए सीजन में शामिल होंगे। हालांकि, सूरज ने इस तरह के दावों को गलत बताया। सूरज ने कहा- 'मुझे नहीं पता कि यह कहां से आया है। मैं निश्चित तौर से सलमान सर के लिए भी बिग बॉस का हिस्सा नहीं बन रहा हूं, जिनकी मैं बहुत रिस्पेक्ट करता हूं। रियलिटी शो, चाहे वो बिग बॉस हो या कुछ और यह सब मेरे बस की बात नहीं है। सूरज ने आगे कहा- 'टेलीविजन पर जाना और अपने बारे में बात करना मेरे स्वभाव का हिस्सा नहीं है। मैं बहुत शर्मीला और निजी व्यक्ति हूं। पिछले दस सालों से बिना गलती के मेरी लाइफ के बारे में

प्राइवेसी को महत्व दे सकता हूं। उन्होंने आगे कहा- 'मेरे करियर के इस पड़ाव पर इस तरह की रिपोर्ट्स पब्लिश करना अच्छा नहीं है। मैं अब अच्छे फिल्ममेकर्स से मिल रहा हूं।

17 जून से शुरू होगा बिग बॉस ओटीटी सीजन 2

बिग बॉस 17 जून से ओटीटी जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा। अब तक कयास लगाए जा रहे हैं कि शो में आवेज दरबार, फैसल शेख, अंजलि अरोड़ा, मुनव्वर फारूकी, जिया शंकर, पारस अरोड़ा, महीप कपूर, पूनम पांडे, उमर रियाज और पूजा गौर जैसे एक्टर्स शामिल हो सकते हैं।

जल्द आएगा सोनाक्षी की दहाड़ का सीक्वल? दहाड़ के सीक्वल को लेकर बोलीं सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा की वेब सीरीज दहाड़ हाल ही में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में सोनाक्षी के साथ गुलशन देवैया मुख्य किरदार में नजर आए थे। सोनाक्षी को अधिकारी अंजलि भाटी के किरदार में दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है। सोनाक्षी का कहना है कि इतना प्यार तो उनको अपने किसी भी अन्य किरदार में नहीं मिला है। इस सीरीज में सोनाक्षी के अलावा विजय वर्मा, सोहम शाह और गुलशन देवैया ने भी दिल जीत लिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस सीरीज के सीक्वल पर बात की। क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज दहाड़ फैंस को बहुत पसंद आई है। इस सीरीज में विजय वर्मा के शातिर दिमाग और सोनाक्षी के जाबांज अंदाज ने फैंस का दिल लूट लिया है। एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी ने इसपर खुलकर बात की और कहा कि वह इसका सीक्वल बनाना पसंद करेंगी। सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने किरदार में फिर आने का इंतजार नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा सवाल है जो क्रिएटर्स रीमा कागती और जोया अख्तर से पूछा जाना चाहिए। हालांकि, अगर सीक्वल बनता भी है, तो अंजलि भाटी की कमी खलेगी, क्योंकि शो के अंत में उसका किरदार अंजलि भाटी से अंजलि मेघवाल में बदल जाता है।

रकुल प्रीत सिंह की रोमांटिक थ्रिलर आई लव यू का ट्रेलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जल्द ही रोमांटिक थ्रिलर आई लव यू में पावेल गुलाटी के साथ नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का 16 जून को जियो सिनेमा पर डायरेक्ट-टू-डिजिटल प्रीमियर होगा। हाल ही में आई लव यू का ट्रेलर रिलीज किया गया है। इस फिल्म में अक्षय ओबेरॉय और किरण कुमार भी अहम किरदार में हैं। 1 मिनट 1 सेकेंड का ट्रेलर काफी सस्पेंस और थ्रिलर से भरा हुआ है। ट्रेलर में रकुल प्रीत सिंह और पावेल गुलाटी की लव स्टोरी दिखाई गई है। लेकिन ये लव स्टोरी अचानक ऐसा टर्न लेती है जिसे देखने किसी को भी शॉक लग सकता है। रकुल प्रीत सिंह ने इस फिल्म के बारे में अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि 'आई लव यू' मेरी अब तक की किसी भी अन्य फिल्म से अलग है क्योंकि इसकी कहानी में ड्रामा, सस्पेंस और थ्रिलर के साथ-साथ प्यार, बदला और विश्वासघात का मिश्रण है। फिल्म के निर्देशक निखिल महाजन, जिन्हें उनकी 2022 की मराठी फिल्म गोदावरी के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हुआ है और अब हिंदी फिल्म में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैंने कुछ वास्तविक घटनाओं से प्रेरणा लेकर इसकी कहानी पर काम किया है और वर्तमान समय में रिश्तों के आधार पर फिल्म को रोमांटिक थ्रिलर का नाटकीय रूप प्रदान किया है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत आई लव यू एक एथेना एंड द वर्मिलियन वर्ल्ड प्रोडक्शन द्वारा बनाई गई है, जिसे प्रफिल्म निमार्ता निखिल महाजन ने लिखा और निर्देशित किया है।

कलाकारों का सबसे ज्यादा शोषण होता है : जसलीन रॉयल

रांझा, नचदे ने सारे और दिन शगना दा जैसी चार्टबस्टर हिट देने वाली गायिका जसलीन रॉयल ने कहा है कि भारतीय संगीत कलाकारों के अनुकूल नहीं है। जसलीन ने ट्विटर पर साझा किया कि वह इस बात से परेशान हैं कि भारत में संगीत लेबल कैसे काम करते हैं। उन्होंने लिखा- भारत में संगीत लेबल कैसे काम करते हैं, इससे परेशान हैं! वे यह कहने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं कि वे कलाकारों के कितने हमदर्द हैं, लेकिन वास्तव में देखा जाय तो वे सबसे ज्यादा शोषण करते हैं। उन्होंने सभी कलाकारों से फिल्मों को अपना काम देने से पहले राय लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, सभी कलाकार जो इसे पढ़ रहे हैं कृपया अपने गीतों को लेबल और फिल्मों को बेचने से पहले राय जरूर लें। हस्ताक्षर करने से पहले अपने अधिकारों और मूल्यों को जानें।